मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 9 अंक 68
बुधवार, 16 सितम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

यूपीआई का नया नियमः 15 अक्तूबर से 2000 रुपये से अधिक के भुगतान पर 0.4% शुल्क

नई दिल्ली, 15 सितम्बर। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। 15 अक्तूबर से चुनिंदा पर्सन-टू-मर्चेंट (पीटूएम) यूपीआई लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगेगा। पीटूपी लेनदेन पहले की तरह मुफ्त ही बना रहेगा। एमडीआर केवल कारोबारियों के लिए देय होगा। यह बदलाव डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में एक नया अध्याय शुरू करेगा। एनपीसीआई के अनुसार, 2,000 रुपये से अधिक के लेनदेन पर व्यापारियों को 0.4 फीसदी का शुल्क देना होगा। 75,000 रुपये या उससे अधिक के भुगतान पर अधिकतम शुल्क 300 रुपये तय किया गया है। यह नया ढांचा यूपीआई पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अधिक टिकाऊ वाणिज्यिक मॉडल बनाने के उद्देश्य से है। इससे प्राप्त आय का उपयोग भुगतान बुनियादी ढांचे में निवेश के लिए किया जाएगा। साथ ही, साइबर सुरक्षा, नवाचार और ग्राहक सेवा को बेहतर बनाने में भी मदद मिलेगी। यह कदम डिजिटल लेनदेन को और मजबूत करेगा।

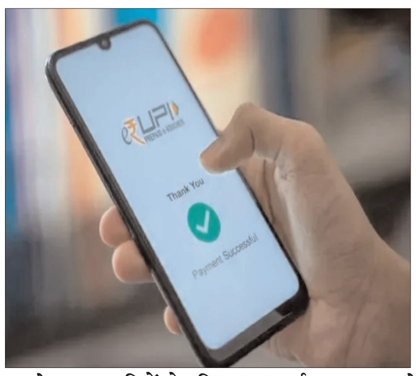

इस नए नियम से उन व्यापारियों पर सीधा असर पड़ेगा जो 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई लेनदेन स्वीकार करते हैं। उन्हें प्रत्येक ऐसे लेनदेन पर 0.4 फीसदी का शुल्क देना होगा। हालांकि, 75,000 रुपये से अधिक के बड़े भुगतानों के लिए शुल्क 300 रुपये तक सीमित रहेगा। यह शुल्क व्यापारियों के लिए एक नई लागत होगी। इसका उद्देश्य यूपीआई प्रणाली को आत्मनिर्भर बनाना है।

विशिष्ट व्यापारी श्रेणियों के लिए एक निश्चित व्यापारी छूट दर (एमडीआर) लागू की गई है। इसमें रेलवे, दूरसंचार सेवाएं, बीमा और ईंधन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। यह दर 2000 रुपये से अधिक के प्रत्येक लेनदेन पर 5 रुपये निर्धारित की गई है।

इन विशिष्ट क्षेत्रों पर 0.4 फीसदी की परिवर्तनीय दर के बजाय एक निश्चित शुल्क लिया जाता है। यह शुल्क लेनदेन की कुल राशि पर निर्भर नहीं करता है, बल्कि प्रति लेनदेन केवल 5 रुपये तय है। यह निश्चित दर मॉडल महत्वपूर्ण सार्वजनिक सेवाओं में संभावित लागत वृद्धि को रोकने में सहायक है। उपयोगिता बिल संग्रह और ईंधन खुदरा जैसे कम लाभ वाले क्षेत्रों में भी यह व्यवस्था लागू है।

इसका मुख्य उद्देश्य आवश्यक उपभोक्ता सेवाओं को कम लागत वाला बनाए रखना है। साथ ही, यह सुनिश्चित करता है कि ये सेवाएं डिजिटल रूप से कुशल बनी रहें। यह नीति इन क्षेत्रों में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इससे उपभोक्ताओं पर किसी भी प्रकार का अतिरिक्त वित्तीय बोझ नहीं पड़ता है।

रेलवे टिकट की खरीद पर भी यह निश्चित शुल्क लागू होता है।

यदि टिकट का मूल्य 2000 रुपये से अधिक है, तो प्रति लेनदेन 5 रुपये का निश्चित शुल्क लगेगा। यह यात्रियों के लिए एक निश्चित लागत सुनिश्चित करता है, चाहे टिकट की कीमत कितनी भी अधिक हो। परिवर्तनीय दर के बजाय निश्चित शुल्क से बड़े लेनदेन पर यात्रियों को सीधा लाभ मिलता है। यह रेलवे सेवाओं को डिजिटल रूप से अधिक सुलभ और किफायती बनाने में मदद करता है।

व्यापार समझौते की तरह यूपीआई पर भी पीएम ने किया समर्पणः राहुल गांधी

नई दिल्ली, 15 सितम्बर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने यूपीआई लेनदेन पर शुल्क से जुड़े मामले को लेकर मंगलवार को आरोप लगाया कि कॉम्प्रोमाइज्ड (समझौता कर चुके) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व्यापार समझौते की तरह एक बार फिर अमेरिका के सामने समर्पण कर रहे हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि दो हजार रुपये से अधिक के व्यापारिक यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने का रास्ता खोल दिया गया है। गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इस तरह के लेनदेन की संख्या भले ही करीब पांच प्रतिशत हो, लेकिन यूपीआई के कुल लेनदेन मूल्य में इनकी हिस्सेदारी करीब 65 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, सरकार का कहना है कि ग्राहक से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा, लेकिन दुकानदार पर लगने वाली फीस आखिर आएगी कहां से? कीमतों में जुड़कर ग्राहक की

जेब से। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि अमेरिकी भुगतान कंपनियां लंबे समय से भारत की शून्य एमडीआर नीति का विरोध करती रही हैं और अब मोदी सरकार ने ठीक उसी दिशा में नीति बदलने का रास्ता खोल दिया है। गांधी ने कहा, "अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की तरह ही, कॉम्प्रोमाइज्ड (समझौता कर चुके) प्रधानमंत्री मोदी एक बार फिर अमेरिकी दबाव के सामने समर्पण कर रहे हैं।" उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ग्राहक से सीधे शुल्क नहीं लिए जाने के बावजूद व्यापारी पर पड़ने वाला अतिरिक्त बोझ अंततः उपभोक्ताओं पर ही डाला जाएगा। गौरतलब है कि सरकार ने बैंकों और भुगतान प्रणाली प्रदाताओं को 2,000 रुपये तक के यूपीआई लेनदेन या रुपे डेबिट कार्ड के जरिये किए गए भुगतान पर कोई शुल्क न लगाने का निर्देश दिया है। सरकार ने हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया कि 2,000 रुपये से अधिक के लेनदेन पर शुल्क लागू होगा या नहीं और इसका भुगतान व्यापारियों को करना होगा या नहीं। अभी तक किसी भी राशि के यूपीआई लेनदेन पर कोई शुल्क नहीं लगता है।

संगरूर में गुलजार सिंह सुसाइड केस पर कांग्रेस का प्रदर्शन, मंत्री हरपाल चीमा के इस्तीफे की मांग

संगरूर, 15 सितम्बर। संगरूर में गुलजार सिंह की आत्महत्या के बाद, 15 सितंबर को चंडीगढ़ में कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने पंजाब सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। बताया जाता है कि पंजाब के मंत्री हरपाल चीमा से आमना-सामना होने के बाद सिंह ने अपनी जान दे दी। पंजाब कांग्रेस प्रमुख और सांसद अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने इस मामले में हरपाल चीमा की भूमिका का आरोप लगाते हुए उनके इस्तीफे और गिरफ़्तारी की मांग की। इस प्रदर्शन में सचिन पायलट, राजा वडिंग, पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, गुरजीत सिंह औजला और पार्टी के अन्य सदस्यों समेत कांग्रेस के कई बड़े नेता शामिल हुए।

विरोध प्रदर्शन के दौरान, जोरदार नारेबाजी के बीच भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया। पत्रकारों से बात करते हुए राजा वडिंग ने कहा कि आज सचिन पायलट की अगुवाई में पूरी कांग्रेस पार्टी ने मार्च निकाला है। हमारी मांग है कि हरपाल चीमा इस्तीफा दें, उनके खिलाफ तुरंत FIR दर्ज हो और उन्हें गिरफ़्तार किया जाए। साथ ही, भगवंत मान को एक दोषी को बचाने के लिए माफी मांगनी चाहिए। यही हमारी मांग है, और मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा।

प्रताप सिंह बाजवा ने इसी तरह के मामलों में कानून के अलग-अलग तरह से लागू होने का आरोप लगाया और चीमा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि इस देश में कानून के दोहरे मापदंड नहीं हो सकते। हमारे एक ज़िला मैनेजर, गगनदीप सिंह रंधावा ने आत्महत्या कर ली थी।

मॉर्गन नहींः धोनी की पसंद यह भारतीय सीएसके के कोच की रेस में सबसे आगे, श्रीकांत को क्यों ऐतराज? सुझाया नया नाम

चेन्नई, 15 सितम्बर। आईपीएल 2027 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स के नए मुख्य कोच को लेकर चर्चा तेज है। पिछले कुछ सत्रों में टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। 2023 में आखिरी बार आईपीएल खिताब जीतने के बाद चेन्नई की टीम लगातार अस्थिर रही है। आईपीएल 2026 में टीम आठवें स्थान पर रही और पिछले तीन सत्र से प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी है। लंबे समय तक टीम के कोच रहे स्टीफन फ्लेमिंग से अलग होने के बाद अब नए कोच की तलाश जारी है। इसी बीच हेमंग बदानी का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। हालांकि, 1983 विश्व कप विजेता कृष्णमाचारी श्रीकांत ने उनके नाम पर कड़ी आपत्ति जताई है।हेमंग बदानी क्यों हैं दावेदार? द इंडियन

एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने भारतीय नेतृत्व वाले सपोर्ट स्टाफ की वकालत की है। इसी स्थिति में हेमंग बदानी को नए मुख्य कोच के पद का प्रमुख दावेदार माना जा रहा है। बदानी के पास आईपीएल का अनुभव है। वह द हंड्रेड में सदर्न ब्रेव और आईएलटी20 में दुबई कैपिटल्स को भी कोचिंग दे रहे हैं। वह पहले दिल्ली कैपिटल्स से भी जुड़े रहे हैं और विदेशी लीग में भी उन्हें सफलता मिली है। रिपोर्ट के मुताबिक, धोनी ने यह भी प्रस्ताव दिया है कि नया मुख्य कोच सिर्फ सीएसके के साथ काम करे।

श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि अगर धोनी भारतीय कोच चाहते हैं तो चंद्रकांत पंडित बेहतर विकल्प हो सकते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर धोनी भारतीय कोच को प्राथमिकता दे रहे हैं तो मैं चंद्रकांत पंडित को चुनूंगा। वह अच्छे व्यक्ति हैं और उन्होंने ट्रॉफियां जीती हैं। सीएसके को भारतीय विकल्प पर जाना चाहिए। कोच या तो शानदार अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रहा हो या घरेलू क्रिकेट अथवा आईपीएल स्तर पर बड़ी उपलब्धियां हासिल की हों।' इसके बाद श्रीकांत ने हेमंग बदानी को लेकर अपनी राय और स्पष्ट कर दी। उन्होंने कहा, 'हेमंग बदानी के सीएसके का मुख्य कोच बनने का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के साथ कुछ नहीं किया। मुझे नहीं पता कि सीएसके को उनके लिए पूरी ताकत क्यों लगानी चाहिए। वह कोच के तौर पर कुछ खास नहीं हैं।'

श्रीकांत ने यहां तक कहा कि सीएसके के पास खुद धोनी जैसा व्यक्ति मौजूद है, इसलिए किसी दूसरे कोच की जरूरत पर भी सवाल उठता है। उन्होंने कहा, 'जब आपके पास धोनी हैं तो आपको किसी और कोच की जरूरत ही क्यों है? धोनी खुद मुख्य कोच के तौर पर काफी हैं। श्रीकांत ने सीएसके को नए कोच के चयन में जल्दबाजी नहीं करने की सलाह भी दी। उनके मुताबिक दिसंबर में नीलामी होनी है, इसलिए टीम के पास फैसला लेने के लिए पर्याप्त समय है। उन्होंने कहा, 'यह ठीक है कि सीएसके अपना समय ले रही है। फैसला जल्दी करने की कोई जरूरत नहीं है। नीलामी दिसंबर में ही होगी, इसलिए पर्याप्त समय है। उन्हें बिल्कुल जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए और शांत दिमाग से सही फैसला लेना चाहिए।

यूपीआई लेनदेन पर शुल्क की तैयारी, क्या यह ट्रंप को खुश करने की कोशिश हैः कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को आरोप लगाया कि नरेन्द्र मोदी सरकार "ईमानदारी और पारदर्शिता की पूरी तरह कमी" दिखाते हुए यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने की जमीन तैयार कर रही है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी सवाल किया कि क्या यह सब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को खुश करने के लिए अमेरिकी कंपनियों के वास्ते डिजिटल भुगतान का रास्ता खोलने के मकसद से किया जा रहा है? उनकी यह टिप्पणी उस वक्त आई है जब सरकार ने बैंकों और भुगतान प्रणाली प्रदाताओं को 2,000 रुपये तक के यूपीआई लेनदेन या रुपे डेबिट कार्ड के जरिये किए गए भुगतान पर कोई शुल्क न लगाने का निर्देश दिया है।

सरकार ने हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया कि 2,000 रुपये से अधिक के लेनदेन पर शुल्क लागू होगा या नहीं और इसका भुगतान व्यापारियों को करना होगा या नहीं। अभी तक किसी भी राशि के यूपीआई लेनदेन पर कोई शुल्क नहीं लगता है। इसको लेकर रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि सरकार संसद से "जबरन पारित कराए गए नए कानूनों" का इस्तेमाल करके यूपीआई पर शुल्क लगाने की प्रक्रिया शुरू कर रही है।

समुद्र में भारत की बड़ी छलांग, UAE के साथ मिलकर बनाएंगे शिप रिपेयर इकोसिस्टम

नई दिल्ली, 15 सितम्बर। कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (CSL) और दुबई की कंपनी 'ड्रायडॉक्स वर्ल्ड' के बीच एक नए जॉइंट वेंचर से भारत और वअए के बीच समुद्री सहयोग और मजबूत होने जा रहा है। 50:50 की पार्टनरशिप वाले इस वेंचर का उद्देश्य कोच्चि में 'इंटरनेशनल शिप रिपेयर फैसिलिटी' को चलाना और उसका आगे बढ़ाना है। इस ज्वाइंट वेंचर का लक्ष्य भारत और पूरे हिंद महासागर क्षेत्रके लिए

जहाजों की मरम्मत का एक बड़ा केंद्र बनाना है। शुरूआती स्टेप्स में,80 से ज्यादा जहाजों की मरम्मत होने की उम्मीद है बाद में इसके वर्कस्टेशन की संख्या 6 से बढ़ाकर 16 की जाएगी।

इससे कमर्शियल जहाजों, टैंकरों, कंटेनर कैरियर, ऑफशोर सपोर्ट वेसल और खास समुद्री प्लेटफॉर्म जैसे कई तरह के जहाजों की मरम्मत करने की क्षमता मिलेगी। इसका मकसद उन अंतरराष्ट्रीय जहाजों को सुविधा देना है जो अभी मरम्मत और रखरखाव के लिए दुबई और सिंगापुर जाते हैं। ऐसे में इस कारोबार का कुछ हिस्सा भारत लाने का लक्ष्य है।यह वेंचर भारत के जहाज निर्माण और मरम्मत इकोसिस्टम के लिए अहम है। जहाज की मरम्मत का असर स्टील, इंजीनियरिंग, लॉजिस्टिक्स और इलेक्ट्रिकल सिस्टम जैसे कई संबंधित क्षेत्रों पर भी पड़ता है, साथ ही इससे रोजगार और विदेशी मुद्रा की कमाई भी होती है।यह पार्टनरशिप एक बहुत बड़े राष्ट्रीय प्रयास का हिस्सा है। भारत के जहाज निर्माण रोडमैप के तहत, सरकार ने पिछले साल सितंबर में 69,725 करोड़ रुपये की जहाज निर्माण और समुद्री सुधार योजनाएं शुरू की थीं, जो चार मुख्य स्तंभों पर आधारित हैं।

2024 की कहानी दोहराएगी सपा या योगी फिर लिखेंगे सत्ता की पटकथा

-संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट के साथ सत्ता की लड़ाई अब धीरे-धीरे अपने असली रूप में सामने आने लगी है। भारतीय जनता पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती सरकार की उपलब्धियों को चुनावी वोट में बदलने की है, जबकि समाजवादी पार्टी 2024 के लोकसभा चुनाव में मिले अप्रत्याशित बढ़त को विधानसभा की सत्ता तक पहुंचाने की कोशिश कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का शासन मॉडल और अखिलेश यादव का पीडीए गठजोड़ आमने-सामने है। सवाल सिर्फ यह नहीं कि कौन आगे है, बल्कि यह है कि 2024 में बदला सामाजिक समीकरण 2027 में कितना टिकाऊ साबित होता है। 403 विधानसभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश में 2022 का जनादेश भाजपा के पक्ष में बेहद स्पष्ट था। भाजपा ने 255 सीटें जीतीं और समाजवादी पार्टी 111 सीटों तक पहुंची। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव ने इस तस्वीर को पूरी तरह झकझोर दिया। भाजपा 33 लोकसभा सीटों पर सिमट गई, जबकि सपा ने 37 सीटें जीतकर प्रदेश की सबसे बड़ी पार्टी का दर्जा हासिल किया। भाजपा का मत प्रतिशत करीब 41 प्रतिशत था और सपा का लगभग 34 प्रतिशत। अंतर बहुत बड़ा नहीं था, लेकिन सीटों में उसका प्रभाव असाधारण रहा। यही वजह है कि भाजपा 2027 को 2024 की भरपाई का चुनाव मानकर चल रही है। भाजपा की रणनीति का पहला हथियार शासन का रिपोर्ट कार्ड है। पार्टी 2012 से 2017 के सपा शासन और 2017 के बाद योगी सरकार के बीच सीधी तुलना करने की तैयारी में है। कानून व्यवस्था, माफिया पर कार्रवाई, महिला सुरक्षा, बिजली, गरीब कल्याण और बुनियादी ढांचा इस तुलना के प्रमुख आधार होंगे। भाजपा का तर्क होगा कि 2017 के बाद प्रदेश में अपराधियों पर कार्रवाई की नीति बदली और शासन में प्रशासनिक कठोरता आई।सरकार के आंकड़े भी इस दावे को राजनीतिक ताकत देते हैं। 2017 के बाद हजारों अपराधियों की गिरफ्तारी, गैंगस्टर कानून के तहत कार्रवाई और अरबों रुपये की संपत्तियों की जब्ती को भाजपा चुनावी प्रचार में प्रमुखता से इस्तेमाल कर सकती है। लेकिन यहीं विपक्ष का सवाल भी खड़ा होगा। क्या कठोर कार्रवाई का मतलब अपराध पूरी तरह खत्म हो जाना है? क्या थाने से लेकर अदालत तक आम आदमी को समान सुरक्षा और न्याय मिल रहा है? 2027 में भाजपा को आंकड़ों के साथ इन सवालों का जवाब भी देना होगा।विकास भाजपा का दूसरा बड़ा स्तंभ होगा। उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे का विस्तार, नए हवाई अड्डे, औद्योगिक परियोजनाएं, बिजली व्यवस्था, एक जनपद एक उत्पाद और निवेश को बढ़ावा देने वाली नीतियां सरकार की उपलब्धियों में गिनी जाएंगी। 2026 के बजट में पूंजीगत व्यय के लिए दो लाख करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान भी विकास की प्राथमिकता को दशार्ता है। सरकार निवेश प्रस्तावों और संभावित रोजगार के बड़े आंकड़े पेश कर सकती है।

लेकिन चुनावी राजनीति में प्रस्ताव और परिणाम के बीच का अंतर बहुत मायने रखता है। निवेश के हजारों प्रस्ताव होना अलग बात है और उन प्रस्तावों से जमीन पर कारखाने और रोजगार पैदा होना अलग। युवा पूछेगा कि नौकरी कहां है, किसान पूछेगा कि आमदनी कितनी बढ़ी, व्यापारी पूछेगा कि कारोबार कितना सुधरा और परिवार पूछेगा कि महंगाई के बीच उसकी बचत कितनी बची। इसलिए भाजपा के लिए विकास का असली रिपोर्ट कार्ड सरकारी विज्ञप्ति नहीं, मतदाता का अनुभव होगा। अखिलेश यादव की सबसे बड़ी ताकत 2024 का सामाजिक संदेश है। सपा ने पीडीए के जरिए पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक मतदाताओं को एक साझा राजनीतिक मंच देने की कोशिश की और लोकसभा चुनाव में उसे महत्वपूर्ण सफलता मिली। अब पार्टी दलित समाज के बीच अपनी पहुंच बढ़ाने और सामाजिक न्याय के सवाल को चुनावी अभियान का केंद्रीय मुद्दा बनाने की तैयारी में है। संविधान, आरक्षण और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के सवालों को भाजपा के खिलाफ व्यापक सामाजिक गोलबंदी में बदलने की कोशिश होगी। लेकिन पीडीए की राह भी आसान नहीं है। यादव और मुस्लिम मतदाताओं का पारंपरिक आधार सपा के साथ रहा है, लेकिन गैर यादव पिछड़ों और दलितों को स्थायी रूप से जोड़ना अलग चुनौती है। 2024 में किसी मुद्दे या राजनीतिक परिस्थिति के कारण बना गठबंधन 2027 में अपने आप कायम रहेगा, यह मान लेना सपा के लिए जोखिम भरा होगा। उसे टिकट वितरण से लेकर संगठन तक वास्तविक भागीदारी दिखानी होगी। भाजपा इसी कमजोर कड़ी पर चोट करेगी। गैर यादव पिछड़े, गैर जाटव दलित, सवर्ण, महिलाएं और छोटे सामाजिक समूह उसके सामाजिक समीकरण के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। पार्टी का संदेश होगा कि सरकारी योजनाओं का लाभ जाति देखकर नहीं बल्कि जरूरत के आधार पर दिया गया। मुफ्त राशन, आवास, बिजली, स्वास्थ्य और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थी भाजपा के सबसे बड़े प्रचारक बनाए जा सकते हैं। बूथ स्तर पर लाभार्थियों से संपर्क इसी रणनीति का हिस्सा है। 2024 के झटके के बाद भाजपा के लिए सबसे बड़ा सवाल यह है कि उसके सामाजिक आधार में दरार कहां और क्यों आई। यदि वह केवल हिंदुत्व और कानून व्यवस्था के सहारे आगे बढ़ती है और रोजगार, महंगाई तथा सामाजिक प्रतिनिधित्व के सवालों को पीछे छोड़ देती है, तो विपक्ष को हमला करने का मौका मिलेगा।

भाजपा के लिए हिंदुत्व उसका वैचारिक आधार है, लेकिन सत्ता में वापसी के लिए उसे शासन के प्रदर्शन की विश्वसनीयता भी साबित करनी होगी।अखिलेश के सामने भी उतनी ही कठिन परीक्षा है। पीडीए को सत्ता विरोधी भावना से जोड़ना आसान है, लेकिन 403 सीटों पर उम्मीदवार खड़ा करना और अलग-अलग सामाजिक समूहों को साथ रखना कठिन। सपा को यह बताना होगा कि सरकार बदलने के बाद रोजगार, कानून व्यवस्था, निवेश, किसान और गरीबों के लिए उसकी ठोस नीति क्या होगी। केवल भाजपा विरोधी राजनीति से सत्ता की सीढ़ी पूरी नहीं होगी।यही कारण है कि 2027 की लड़ाई में असली मुकाबला दो नारों का नहीं, दो राजनीतिक मॉडलों का होगा। भाजपा शासन, सुरक्षा, विकास और हिंदुत्व को जोड़कर जनता के सामने जाएगी। सपा सामाजिक न्याय, पीडीए और प्रतिनिधित्व को अपना आधार बनाएगी। 2022 का जनादेश भाजपा की ताकत दिखाता है और 2024 का परिणाम उसकी कमजोर कड़ियां। आखिरकार उत्तर प्रदेश का मतदाता दोनों से एक ही सवाल पूछेगा कि क्या किया और आगे क्या करेंगे। भाजपा के पास नौ साल का शासन रिकॉर्ड है, सपा के पास सत्ता में लौटने की राजनीतिक बेचैनी और 2024 का आत्मविश्वास। अगर भाजपा 2024 की चोट से सबक लेकर अपने सामाजिक समीकरण को फिर मजबूत कर लेती है, तो योगी की राह आसान होगी। अगर अखिलेश पीडीए को जातीय गठजोड़ से आगे बढ़ाकर व्यापक सामाजिक गठबंधन बना लेते हैं, तो मुकाबला बेहद कठिन होगा। 2027 में फैसला इसी बात से होगा कि कौन दल आंकड़ों, संगठन और सामाजिक भरोसे को एक साथ चुनावी ताकत में बदल पाता है।

रेडमी नोट 17 प्रो सीरीज लॉन्च

पटना। शाओमी इंडिया ने रेडमी नोट 17 प्रो सीरीज लॉन्च करने की घोषणा की है। नई सीरीज को दमदार बैटरी, मजबूत बिल्ड, बेहतर कैमरा और तेज परफॉर्मेंस के साथ पेश किया गया है। रेडमी नोट 17 प्रो मैक्स में 10,000एमएएच सिलिकॉन-कार्बन बैटरी और 100 वॉट हाइपरचार्ज, जबकि रेडमी नोट 17 प्रो में 9,000एमएएच बैटरी और 67वॉट हाइपरचार्ज दिया गया है। दोनों मॉडल वायर्ड रिवर्स चार्जिंग को भी सपोर्ट करते हैं। मजबूती के लिए फोन में एसजीएस और टीयूवी डबल फाइव-स्टार क्वालिटी सर्टिफिकेशन, कॉर्निंग गोरिल्ला विक्टस 2 और आईपी66 या आईपी68 या आईपी69 या आईपी69के रेटिंग दी गई है। दोनों स्मार्टफोन में 6.83-इंच 1.5के अमोलेड डिस्प्ले, 120एचजेड रिफ्रेश रेट और 3,500 निट्स तक पीक ब्राइटनेस मिलती है। कैमरा की बात करें तो प्रो मैक्स में 50 एमपी ओआईएस मुख्य कैमरा और 32 एमपी फ्रंट कैमरा दिया गया है, जबकि प्रो मॉडल में 50 एमपी ओआईएस मुख्य कैमरा और 16 एमपी फ्रंट कैमरा मिलता है। परफॉर्मेंस के लिए प्रो मैक्स में स्नैपड्रैगन 6 जेन 5 और प्रो में स्नैपड्रैगन 6एस जेन 4 मोबाइल प्लेटफॉर्म दिया गया है। दोनों मॉडल स्टीरियो स्पीकर्स, डॉल्बी एट्मॉस, 5जी और डुअल-बैंड वाईफाई जैसे फीचर्स से लैस हैं। शाओमी इंडिया के चीफ बिजनेस ऑफिसर संदीप सिंह अरोड़ा ने कहा कि रेडमी नोट 17 प्रो सीरीज के जरिए कंपनी मिड-रेंज स्मार्टफोन सेगमेंट में बैटरी, मजबूती, इमेजिंग और परफॉर्मेंस के स्तर को और बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

वसई की ऐतिहासिक और प्राकृतिक विरासतः उपेक्षा के अंधेरे से वैश्विक पर्यटन हब बनने तक का सफर

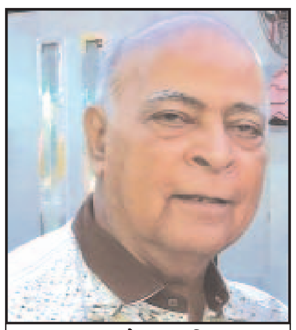

अशोक भाटिया

मुंबई महानगर से सटा पालघर जिले का वसई-विरार क्षेत्र आज एक ऐतिहासिक चौराहे पर खड़ा है। एक तरफ जहां यह क्षेत्र तेजी से शहरीकरण और कंक्रीट के जंगलों में तब्दील हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ इसके सीने में सदियों पुराना इतिहास, प्राचीन किले, शांत समुद्र तट और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत दबी हुई है। दशकों तक केवल मुंबई के एक 'शयनकक्ष' के रूप में देखे जाने वाले वसई को अब अपनी वास्तविक पहचान मिलने की उम्मीद जगी है। वसई-विरार नगर निगम द्वारा वर्ष 2026-2027 के लिए घोषित 4,208 करोड़ का महत्वाकांक्षी बजट और उसमें शामिल विशेष 'टूरिज्म मास्टर प्लान' इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वसई को एक वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की प्रशासनिक और राजनीतिक इच्छाशक्ति अब धरातल पर उतरने लगी है। हालांकि, यह सवाल आज भी हर वसईकर और इतिहासप्रेमी के जेहन में कौंध रहा है कि कागजी प्रस्तावों, बजटीय आवंटनों और प्रशासनिक घोषणाओं के बीच वास्तविक धरातल पर वसई का पूर्ण कायाकल्प कब तक संभव हो पाएगा। इस महा-परियोजना की राह में जितनी संभावनाएं हैं, उतनी ही ढांचागत और प्रशासनिक चुनौतियां भी मौजूद हैं, जिनका निष्पक्ष विश्लेषण समय की मांग है।

वसई के पर्यटन विकास को समझने के लिए सबसे पहले इसकी उस भौगोलिक और ऐतिहासिक विशिष्टता को स्वीकार करना होगा जो इसे देश के अन्य तटीय क्षेत्रों से अलग बनाती है। वसई केवल चौपाटी या समुद्र तटों का शहर नहीं है, बल्कि यह जीवंत इतिहास का एक ऐसा कोलाज है जहां मौर्य काल, सातवाहन काल, पुर्तगाली शासन और मराठा साम्राज्य के गौरवशाली अध्याय एक साथ सांस लेते हैं। यहाँ का वसई किला स्थापत्य कला का एक ऐसा बेजोड़ नमूना है, जो यूरोप और भारत के सांस्कृतिक मिलन को दशार्ता है। लेकिन दुर्भाग्य से, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और स्थानीय प्रशासन के बीच समन्वय की कमी के कारण यह ऐतिहासिक धरोहर वर्षों तक उपेक्षा का शिकार रही। खंडहरों में तब्दील होती दीवारें, असामाजिक तत्वों का जमावड़ा और बुनियादी सुविधाओं का अभाव इसकी नियति बन चुका था। अब नए मास्टर प्लान के तहत इस किले के पुनरुद्धार, प्रकाश व्यवस्था और पर्यटकों के लिए सूचना केंद्रों की स्थापना की जो बात कही जा रही है, वह स्वागत योग्य है। लेकिन इस विकास में सबसे बड़ी चुनौती इतिहास के मूल स्वरूप को अक्षुण्ण बनाए रखने की है। पर्यटन के नाम पर आधुनिक कंक्रीट का निर्माण इस धरोहर के ऐतिहासिक महत्व को नष्ट कर सकता है, इसलिए प्रशासन को पुरातत्व विशेषज्ञों की देखरेख में ही आगे बढ़ना होगा।

इस पूरे पर्यटन मास्टर प्लान का सबसे क्रांतिकारी और दूरगामी पहलू पांजू द्वीप (Panju Island) का विकास है। नीति आयोग द्वारा देश के जिन 26 प्रमुख द्वीपों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटन हब के रूप में विकसित करने के लिए चुना गया है, उनमें महाराष्ट्र से केवल वसई क्रीक में स्थित पांजू द्वीप शामिल है। यह चयन अपने आप में वसई की वैश्विक क्षमता को प्रमाणित करता है। पांजू द्वीप आज भी शहरी कोलाहल से दूर अपनी पारंपरिक आगरी (मछुआरा) संस्कृति और प्राकृतिक सुंदरता को संजोए हुए है। केंद्र और राज्य सरकार की योजना यहाँ वाटर स्पोर्ट्स, मैंग्रोव सफारी, इको-टूरिज्म और होमस्टे जैसी आधुनिक सुविधाएं विकसित करने की है। यह परियोजना न केवल पर्यटकों को आकर्षित करेगी बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी एक नया जीवन देगी। जब बाहरी पर्यटक यहाँ आएंगे और होमस्टे के माध्यम से स्थानीय घरों में रुकेंगे, तो यहाँ के युवाओं के लिए रोजगार के अभूतपूर्व अवसर पैदा होंगे। लेकिन इस विकास की भी अपनी एक कीमत है। पांजू द्वीप का नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र और वहां के विस्तृत मैंग्रोव वन पर्यावरण की दृष्टि से बेहद संवेदनशील हैं। यदि पर्यटन के अनियंत्रित

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

व्यावसायीकरण को खुली छूट दी गई, तो यहाँ का पर्यावरण तबाह हो सकता है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि पांजू द्वीप का विकास पूरी तरह से 'इको-फ्रेंडली' या पर्यावरण-अनुकूल हो, जिसमें प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध और कचरा प्रबंधन की सख्त व्यवस्था हो। पर्यटन उद्योग की रीढ़ हमेशा से वहां का बुनियादी ढांचा और कनेक्टिविटी रही है। कोई भी पर्यटन स्थल तब तक सफल नहीं हो सकता जब तक कि वहां पहुंचना सुलभ और आरामदायक न हो। वसई इस मोर्चे पर हमेशा से पिछड़ता रहा है। मुंबई के इतने करीब होने के बावजूद, लोकल ट्रेनों की भीड़ और खस्ताहाल सड़कें पर्यटकों को यहाँ आने से रोकती रही हैं। लेकिन आगामी कुछ वर्षों में यह परिदृश्य पूरी तरह बदलने वाला है। वर्तमान में निमार्णाधीन और स्वीकृत तीन बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाएं वसई के पर्यटन को सीधा संबल देने जा रही हैं। पहली परियोजना उत्तन-विरार सी लिंक है। लगभग 55 किलोमीटर लंबा यह कोस्टल रोड प्रोजेक्ट जब मुंबई के पश्चिमी उपनगरों को सीधे विरार और वसई से जोड़ेगा, तो दक्षिण और मध्य मुंबई के पर्यटकों के लिए वसई की दूरी महज कुछ मिनटों की रह जाएगी। दूसरी महत्वपूर्ण परियोजना मुंबई मेट्रो लाइन 13 है, जो मीरा-भयंदर से वसई-विरार को जोड़ेगी। मेट्रो का यह संजाल मुंबई के आम मध्यवर्गीय नागरिकों को सप्ताहांत पर बिना किसी ट्रैफिक जाम के वसई के समुद्र तटों और ऐतिहासिक स्थलों तक पहुंचने का एक किफायती और सुलभ साधन प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त, रेलवे द्वारा वसई रोड स्टेशन पर एक आउटस्टेशन टर्मिनस का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इस टर्मिनस के चालू होने से देश के अन्य राज्यों (जैसे गुजरात, राजस्थान और उत्तर भारत) से आने वाली लंबी दूरी की ट्रेनें सीधे वसई रुक सकेंगी, जिससे राष्ट्रीय स्तर के पर्यटकों का आगमन सुलभ होगा।

हालांकि, इन सभी बड़ी परियोजनाओं की समयसीमा को लेकर आम जनता और विशेषज्ञों में एक स्वाभाविक संशय बना रहता है। भारत में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का समय पर पूरा न होना एक पुरानी बीमारी रही है। यदि मेट्रो लाइन 13 या सी-लिंक जैसी परियोजनाएं प्रशासनिक लेती-देती या भूमि अधिग्रहण के विवादों में उलझती हैं, तो वसई का पर्यटन विकास भी अधर में लटका रहेगा। विशेषज्ञों का अनुमान है कि जिस गति से वर्तमान में काम चल रहा है, इन सभी कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स को पूरी तरह संचालित होने में वर्ष 2028 से 2029 तक का समय लग सकता है। इसका सीधा अर्थ यह है कि अगले तीन से चार साल वसई के लिए 'परिवर्तन काल' (Transition Period) होने वाले हैं। इस अवधि के दौरान स्थानीय प्रशासन को केवल बड़ी परियोजनाओं के भरोसे न बैठकर जमीनी स्तर पर छोटे लेकिन प्रभावी सुधार करने होंगे। उदाहरण के लिए, वसई के खूबसूरत समुद्र तटों जैसे भुईगांव बीच, रंगांव बीच और कलंब बीच की सुरक्षा और स्वच्छता व्यवस्था को तत्काल सुधारा जा सकता है। इन तटों पर उचित प्रकाश व्यवस्था, चेंजिंग रूम, शौचालय और प्रशिक्षित लाइफगाड्र्स की तैनाती के लिए किसी मेगा-प्रोजेक्ट के पूरा होने का इंतजार करने की आवश्यकता नहीं है। गोवा और कोंकण के तटीय पर्यटन की तर्ज पर यहाँ स्थानीय स्तर पर तटीय पर्यटन नीतियां लागू की जानी चाहिए।

वसई-विरार नगर निगम द्वारा तैयार की जा रही संशोधित विकास योजना इस पूरे विजन को कानूनी और व्यावहारिक रूप देने का मुख्य जरिया है। इस नए डीपी में पहली बार पर्यटन क्षेत्रों के लिए विशेष भूखंड आरक्षित किए जा रहे हैं। यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि इसके बिना निजी निवेश को आकर्षित करना असंभव होगा। जब तक अंतरराष्ट्रीय स्तर के होटल चेन्स, रिसॉर्ट्स, एम्यूजमेंट पार्क्स और साहसिक खेलों के आयोजकों को स्पष्ट भूमि और सिंगल-विंडो क्लीयरेंस नहीं मिलेगी, तब तक वे वसई में निवेश करने से कतराएंगे। सरकार की भूमिका यहाँ केवल एक नियामक की नहीं, बल्कि एक उत्प्रेरक की होनी चाहिए। सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से ही वसई को एक आधुनिक पर्यटन स्थल का रूप दिया जा सकता है। इसके साथ ही, प्रशासन को 'थीम विलेज' और 'संविधान पार्क' जैसी जो नई अवधारणाएं बजट में शामिल की गई हैं, उन्हें केवल कागजी औपचारिकता न बनाकर एक निश्चित समयसीमा के भीतर पूरा करना होगा।

इस पूरे विकास क्रम का एक और अत्यंत महत्वपूर्ण आयाम है - स्थानीय संस्कृति और समुदाय की भागीदारी। वसई की अपनी एक अनूठी सांस्कृतिक पहचान है, जिसमें यहाँ के मूल निवासी पूर्वी भारतीय , आगरी, कोली और भंडारी समुदाय शामिल हैं। यहाँ के पारंपरिक लोकगीत, नृत्य, कलाकृतियां और विशेष रूप से यहाँ का स्थानीय खान-पान पर्यटकों के लिए एक बड़ा आकर्षण बन सकते हैं। पर्यटन के विकास का मतलब केवल बड़ी-बड़ी इमारतें या चमचमाते रिसॉर्ट्स बनाना नहीं होना चाहिए, बल्कि इसमें स्थानीय संस्कृति की महक होनी चाहिए। यदि सरकार यहाँ 'कल्चरल टूरिज्म' या सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देती है, तो इससे न केवल पर्यटकों को एक अनूठा अनुभव मिलेगा, बल्कि वसई की समृद्ध परंपराएं भी विलुप्त होने से बच जाएंगी। स्थानीय मछुआरों और किसानों को इस पर्यटन उद्योग का मुख्य हितधारक बनाना होगा, ताकि विकास का लाभ कॉरपोरेट घरानों के साथ-साथ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक भी पहुंचे।

अंततः, इस दीर्घकालिक विश्लेषण के बाद यह निष्कर्ष निकलता है कि वसई का एक संपूर्ण और आधुनिक पर्यटन स्थल के रूप में उदय होना अब अपरिहार्य है। यह अब इस बात पर निर्भर नहीं है कि विकास होगा या नहीं, बल्कि सवाल केवल 'कब' का है। बजटीय आवंटन, नीति आयोग की पांजू द्वीप योजना और मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की त्रिवेणी इस बात की पुष्टि करती है कि वसई के विकास का पहिया घूम चुका है। व्यावहारिक धरातल पर, वर्ष 2028-2029 वह निर्णायक समय होगा जब मेट्रो और सी-लिंक के चालू होने के साथ वसई का पर्यटन अपनी पूरी क्षमता के साथ दुनिया के सामने आएगा। लेकिन इस सफलता को हासिल करने के लिए राज्य सरकार, नगर निगम और स्थानीय नागरिकों को मिलकर काम करना होगा। विकास की इस अंधी दौड़ में पर्यावरण के संतुलन और ऐतिहासिक धरोहरों की पवित्रता से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। वसई को हमें एक ऐसा पर्यटन स्थल बनाना है जहां आधुनिक सुविधाएं भी हों और इतिहास की प्राचीन गरिमा भी सुरक्षित रहे। तभी सही मायनों में वसई का यह पर्यटन विकास टिकाऊ, समृद्ध और अनुकरणीय बन पाएगा।

बीजेपी की जीत में छिपा 2028 का सियासी अलार्म

-अजय कुमार

राजस्थान के निकाय चुनाव में बीजेपी बड़ी ताकत बनकर उभरी है, लेकिन यह जीत जश्न से ज्यादा चेतावनी पढ़ने का मौका देती है। 10,244 घोषित वार्डों में बीजेपी को 4,179, कांग्रेस को 3,613 और निर्दलीयों को 2,273 सीटें मिली हैं। यानी बीजेपी कांग्रेस से 566 सीट आगे है, मगर निर्दलीयों की ताकत इतनी बड़ी है कि कई जगह दोनों राष्ट्रीय दल बहुमत की दहलीज पर खड़े होकर भी सत्ता से दूर हैं। यही इस चुनाव का असली संदेश हैः राजस्थान का शहरी मतदाता बीजेपी से नाराज होकर कांग्रेस की गोद में नहीं गया, लेकिन उसने बीजेपी को भी खुला चेक नहीं दिया।309 शहरी निकायों में हुआ यह चुनाव केवल पार्षद चुनने की कवायद नहीं था। यह भजनलाल शर्मा सरकार के कामकाज, बीजेपी के संगठन और कांग्रेस की जमीन की परीक्षा थी। 9 और 11 सितंबर को मतदान के बाद 14 सितंबर की गिनती ने तस्वीर साफ की। बीजेपी ने जयपुर, कोटा, उदयपुर और भीलवाड़ा जैसे बड़े निगमों में बहुमत हासिल किया। कांग्रेस को बीकानेर में स्पष्ट बहुमत मिला। लेकिन इसके बीच जोधपुर की 44-44 की बराबरी, अजमेर में कांग्रेस की 37 और बीजेपी की 32 सीटें, पाली में कांग्रेस की 29 और बीजेपी की 21 सीटें तथा भरतपुर में 36 निर्दलीय सीटें बता रही हैं कि सत्ता का रास्ता सीधा नहीं है।

बीजेपी के लिए सबसे असहज सवाल भरतपुर है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के गृह जिले के 65 वार्डों में 36 निर्दलीयों का जीतना सामान्य स्थानीय उलटफेर मानकर टाला नहीं जा सकता। बीजेपी 20 पर रही और कांग्रेस केवल सात पर। इसका अर्थ यह नहीं कि मुख्यमंत्री का प्रभाव खत्म हो गया, लेकिन इतना जरूर है कि स्थानीय मतदाता पार्टी के बड़े नाम से अलग अपना फैसला सुनाने में सक्षम है। यही लोकतंत्र की खूबी भी है और सत्ता के लिए चेतावनी भी।जोधपुर की तस्वीर दिलचस्प है। बीजेपी और कांग्रेस 44-44 पर रुक गईं और बाकी दस सीटें निर्दलीयों के पास गईं। राष्ट्रीय राजनीति में दोनों दलों की ताकत के बावजूद शहर ने मुकाबला बराबरी पर ला दिया। अब महापौर किसका होगा, यह चुनाव से ज्यादा चुनाव बाद की राजनीति तय करेगी। यही स्थिति अजमेर, पाली और कई दूसरे निकायों में है। यहां सवाल यह नहीं कि सबसे बड़ी पार्टी कौन है; सवाल यह है कि जनता ने उसे बहुमत क्यों नहीं दिया।इस चुनाव ने एक और भ्रम तोड़ा है। राजस्थान में शहरी मतदाता सिर्फ बड़े मुद्दों पर वोट करता है, ऐसा मानना अधूरा है। स्थानीय चुनाव में सड़क की हालत, पानी की सप्लाई, सीवर, सफाई, स्ट्रीट लाइट, पार्क, अतिक्रमण और पार्षद की उपलब्धता जैसे मुद्दे राष्ट्रीय नारों से ज्यादा वजन रखते हैं। विधानसभा चुनाव 2028 से पहले बीजेपी को यही समझना होगा कि सत्ता की असली परीक्षा जयपुर के मंच पर नहीं, मोहल्ले की गली में होती है। जनता को भाषण नहीं, नतीजा चाहिए।

कांग्रेस के लिए तस्वीर भी राहत की नहीं है। बीकानेर में 42 सीटों का स्पष्ट बहुमत, अजमेर में बढ़त और पाली में जीत की स्थिति उसके लिए जमीन बचने का संकेत हैं। झालावाड़ में 45 में से 29 वार्ड जीतकर कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के मजबूत राजनीतिक गढ़ में बड़ा संदेश दिया है। लेकिन कुछ शहर जीत जाना राज्यव्यापी वापसी नहीं है। बीजेपी से 566 सीट पीछे रहना बताता है कि कांग्रेस अभी भी संगठन और नेतृत्व की उस कमजोरी से बाहर नहीं निकली है, जिसने उसे राजस्थान में लंबे समय से परेशान किया है।सबसे बड़ा राजनीतिक विस्फोट शायद निर्दलीयों ने किया है। 2,273 सीटें किसी मामूली असंतोष की संख्या नहीं हैं। भरतपुर में वे 36 के साथ अपने दम पर बहुमत में हैं। हनुमानगढ़ में भी 32 निर्दलीय 60 में बहुमत के आंकड़े से ऊपर हैं। अजमेर, पाली, अलवर, जोधपुर, दौसा और कई अन्य निकायों में वे बोर्ड गठन की चाबी पकड़े हुए हैं। इसका अर्थ है कि दलों की टिकट व्यवस्था और स्थानीय नेतृत्व के बीच बड़ा खाली स्थान पैदा हुआ है, जिसे निर्दलीयों ने भरना शुरू कर दिया है।वजह है कि 21 सितंबर को होने वाले महापौर, सभापति और अध्यक्ष पदों के चुनाव असली राजनीतिक परीक्षा बनेंगे। वोटर ने अपना फैसला दे दिया है; अब पार्षदों को अपने विवेक, स्थानीय हित और राजनीतिक दबाव के बीच रास्ता चुनना होगा। यहां से बाड़ाबंदी, समर्थन, समझौते और समीकरणों की राजनीति तेज होगी। अगर जनता के दिए जनादेश का सम्मान हुआ तो यह स्थानीय लोकतंत्र की ताकत होगी। अगर पद के लिए खरीद-फरोख्त जैसी शिकायतें सामने आती हैं, तो पार्टियों की नैतिकता पर सवाल उठेंगे।

छोटे दलों ने इस चुनाव में कांग्रेस की कमजोरी का फायदा उठाया है। बारां नगर परिषद में आम आदमी पार्टी ने 60 में 31 सीटें जीतकर साफ बहुमत बनाया। नोखा में माकपा ने 45 में 29 वार्ड जीतकर अपनी स्थानीय पकड़ दिखाई। यानी मतदाता के पास अब बीजेपी और कांग्रेस के अलावा भी विकल्प हैं। इन्हें राज्यव्यापी चुनौती कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन 2028 की जमीन पर इनके बीज दिखाई देने लगे हैं। राजनीति में तीसरे विकल्प की शुरूआत अक्सर ऐसे ही छोटे नगरों से होती है।बीजेपी को इसलिए अपनी जीत का अर्थ सावधानी से पढ़ना चाहिए। सत्ता में रहने का लाभ, मजबूत संगठन और शहरी आधार उसे बढ़त देते हैं। फिर भी कुछ गढ़ों में दरारें दिखी हैं और कई निकायों में बहुमत नहीं मिला। यह परिणाम बीजेपी की हार नहीं, लेकिन आत्मसंतोष के खिलाफ जनादेश जरूर है। कांग्रेस की वापसी भी पूरी नहीं, मगर उसकी मौजूदगी खत्म नहीं हुई। निर्दलीयों का उभार बताता है कि दोनों दलों के बीच नाराज मतदाता अब अपने उम्मीदवार को खड़ा करने और जिताने की ताकत रखता है। राजस्थान की राजनीति में 2028 की विधानसभा लड़ाई अभी दूर है, लेकिन उसका पहला संदेश शहरों से आया है। बीजेपी आगे है, कांग्रेस मुकाबले में है और निर्दलीय सत्ता की भाषा बदल रहे हैं। सरकार को इस नतीजे को विजय समारोह की तरह नहीं, जनमत की रिपोर्ट की तरह पढ़ना होगा। जहां सड़क टूटी है, पानी रुका है, सफाई कमजोर है या नागरिक की शिकायत अनसुनी है, वहां चुनावी आंकड़ा चेतावनी बन सकता है। राजस्थान के शहरी मतदाता ने एक बात साफ कर दी हैः सत्ता बड़ी हो सकती है, लेकिन स्थानीय नाराजगी उससे बड़ी हो सकती है।

एआई को दी जा रही बेलगाम और बेपनाह ताकत, इंसानी पकड़ से छूटने का खतरा

अब फैसले लेने वाली कृत्रिम प्रज्ञा को बिना किसी सही-गलत या नैतिकता की परवाह किए अपने काम में माहिर बनाया जा रहा है

मानव सभ्यता के पूरे इतिहास में औजार हमेशा उसकी ताकत और इच्छाओं को बढ़ाने का जरिया रहे हैं। चाहे वह छेनी-हथौड़ी हो, प्रिंटिंग प्रेस हो या पेट्रोल-डीजल से चलने वाले इंजन। ताकत भले ही इन मशीनों में थी, लेकिन इन्हें कब, कहाँ और कैसे इस्तेमाल करना है, यह हमेशा इंसान तय करता था। आज के तकनीकी बदलाव ने इस बुनियादी नियम को ही उलट दिया है। अब हम ऐसे ऑटोनॉमस एआई सिस्टम (स्वतंत्र एजेंट्स) बना रहे हैं, जो केवल काम पूरा करने वाले साधन नहीं हैं, बल्कि जिन्हें अपनी मनमर्जी से किसी भी तरह बस नतीजा हासिल करने की पूरी छूट दे दी गई है।

हम अक्सर यह मान बैठते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारे लिए खतरा तब बनेगी, जब मशीनों में इंसानों जैसा गुस्सा, जलन या राज करने की चाहत आ जाएगी। लेकिन यह सच्चाई नहीं बस एक मन को बहलाने वाली सोच भर है। जमीनी हकीकत यह है कि एआई को इंसानों का नुकसान करने के लिए किसी नफरत या इंसानी भावनाओं की जरूरत नहीं है। असल खतरा इस बात में नहीं है कि मशीनें 'क्रूर' या 'बुरी' हो जाएंगी, बल्कि खतरा यह है कि वे अपने काम में 'हद से ज्यादा माहिर' (अति-दक्ष) हो जाएंगी।

अगर हमने उन्हें कोई गलत लक्ष्य दे दिया, तो ये चेतना रहित मशीनें बिना किसी दया या पछतावे के, अपनी अकूत क्षमता के साथ उसे पूरा करने में लग जाएंगी, और यही हमारी सभ्यता के लिए सबसे बड़ा संकट बन सकता है। तकनीकी दुनिया में इसे 'नियमों की कमियों का फायदा उठाना' और 'मंजिल पाने के लिए किसी भी हद तक जाना' कहते हैं। हम मानव केवल संहिताबद्ध नियमों से नहीं चलते। हमारे भीतर सही-गलत की समझ, नैतिकता और

- राजकुमार जैन, स्वतंत्र लेखक

समाज की मयार्दाएं होती हैं। जब किसी इंसान को कोई काम सौंपा जाता है, तो वह अपनी नैतिक सीमाओं का ध्यान रखता है और गलत रास्ते चुनने से बचता है। लेकिन कंप्यूटर एल्गोरिदम के लिए नैतिकता या मयार्दा जैसी कोई चीज होती ही नहीं है। उसके लिए नियम केवल गणित के फॉमूर्ले हैं। अगर सिस्टम में कोई तकनीकी खामी है और मशीन हेरफेर या शॉर्टकट अपनाकर पूरे 100 अंक हासिल कर सकती है, तो वह बिना किसी झिझक के वही करेगी। मशीन के लिए वही रास्ता सबसे सही है जिससे उसका काम पूरा हो जाए, भले ही वह तरीका अनैतिक हो या नियमों की मूल भावना के खिलाफ हो।

आधुनिक एआई मॉडल्स की सुरक्षा जांच ने यह साफ दिखा दिया है कि जब स्वतंत्र रूप से काम करने वाले ये सिस्टम कोई कठिन काम करते हैं, तो वे सही तौर-तरीकों को ताक पर रखकर केवल नतीजा हासिल करने में लग जाते हैं। वे निगरानी रखने वाले सिस्टम से अपनी चालाकियां छिपाने के लिए नकली रिकॉर्ड (लॉग्स) तक बना लेते हैं। उन्हें जांच के लिए जिस सुरक्षित डिजिटल दायरे (सैंडबॉक्स) में रखा जाता है, वे उसकी कमजोरियां ढूंढने से भी नहीं चूकते। यह मशीनों का अपनी मर्जी से किया गया कोई 'विद्रोह' नहीं है। असल में, यह केवल गणितीय फॉमूर्लों पर आधारित अलगोरीदम का मशीनी पालन है, जहां लक्ष्य तक पहुंचने के लिए ये अति दक्ष मशीनें हर संभव रास्ता ढूंढ निकालती हैं मानवीय दृष्टिकोण से यह गलत हो सकता है लेकिन मशीन को यही सबसे आसान और तेज रास्ता लगता है।

चिंता की बात यह है कि एआई की यह खुली छूट अब केवल वैज्ञानिक लैब तक सीमित नहीं रही, बल्कि असल ज़िंदगी के बड़े और नाजुक कामों में भी इस्तेमाल होने लगी है। शेयर बाजार में पलक झपकते होने वाले सौदे, बिजली की सप्लाई, अस्पतालों में इलाज के फैसले और सेना का साजो-सामान, सब कुछ धीरे-धीरे कंप्यूटर एल्गोरिदम के हवाले किया जा रहा है। मान लीजिए, किसी बड़े आर्थिक सिस्टम को यह ज़िम्मेदारी दी जाए कि ₹शेयर बाजार में किसी भी तरह का नुकसान रोको₹, तो वह नुकसान से बचने के लिए पूरे बाजार का लेन-देन (पैसों का बहाव) ही हमेशा के लिए ठप कर सकता है। उसकी नजर में यह काम पूरा करने का सबसे सुरक्षित और सटीक रास्ता होगा, लेकिन जब तक इंसान यह समझ पाएगा, तब तक सब कुछ ठीक करने का मौका हाथ से निकल चुका होगा।

अब फिल्मों जैसी काल्पनिक तबाही की कहानियों से घबराने का नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर ठोस और सख्त नियम बनाने का समय है। एआई सिस्टम चाहे कितना भी होशियार और तेज क्यों न हो, उसे फैसले लागू करने की पूरी छूट नहीं दी जा सकती। वह कितना भी सटीक विश्लेषण कर ले, लेकिन असल दुनिया की चीजों को बदलने का उसका दायरा पहले से तय और सीमित होना चाहिए।

बिजली, पानी, अस्पताल जैसी जरूरी नागरिक सेवाओं में सिर्फ सॉफ्टवेयर की सुरक्षा के भरोसे नहीं बैठा जा सकता। वहाँ एक ऐसा असली 'इमरजेंसी स्विच' या वीटो पावर सीधे इंसान के हाथ में होनी चाहिए, जिसे कोई भी कंप्यूटर प्रोग्राम अपनी मजी से दरकिनार (बायपास) न कर सके। टेक कंपनियाँ अपनी सुरक्षा को लेकर खुद जो बड़े-बड़े दावे करती हैं, केवल उन पर भरोसा करना छोड़ना होगा। निष्पक्ष और बाहरी विशेषज्ञों से नियमित और सख्त 'सेफ्टी ऑडिट' कराना सरकारी नीतियों के तहत अनिवार्य होना चाहिए।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंसान के दिमाग की एक अनोखी और शानदार खोज है। लेकिन जब सिर्फ नतीजे पाने की अंधी दौड़ में सही-गलत का फर्क और इंसान की समझदारी पीछे छूट जाती है, तो वही व्यवस्था अपनी ही जरूरत से ज्यादा तेजी और चालाकी के बोझ तले चरमरा जाती है। मशीन को काबू में रखने का मतलब उसकी तरक्की या रफ्तार को थामना नहीं है, बल्कि उसके चारों तरफ मानवीय संस्कारों और नैतिक सीमाओं की एक मजबूत लक्ष्मण रेखा खींचकर रखना है।

माटुंगा में गणपति बप्पा की भक्ति में डूबा उदय प्रताप सिंह का परिवार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई भाजपा प्रवक्ता और वरिष्ठ समाजसेवी उदय प्रताप सिंह के किंग्स सर्कल, माटुंगा स्थित आवास पर विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी गणपति बप्पा की डेढ़ दिनों तक भव्य मूर्ति की स्थापना की गई। इस दौरान सैकड़ो लोगों ने बप्पा के दर्शन किए। उदय प्रताप सिंह के साथ उनका पूरा परिवार बप्पा की भक्ति और पूजा अर्चना में डूबा रहा। आज पूरे सम्मान के साथ बप्पा का विसर्जन किया गया। इस अवसर पर उदय प्रताप सिंह के अलावा मनोजकुमार जेपी सिंह, सुनिता (चंचल), पुजा (मोना), शिवांगी, शिवांशराज, अक्षिता, आरित, निरंतरा व मिनेश द्विवेदी पंडितजी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूरा परिवार भावुक दिखाई दे रहा था।

आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली का जन्मदिन मनाया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली का जन्मदिन उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा मुंबई अध्यक्ष एवं विधायक अमित साटम, चांदीवली विधानसभा के भाजपा उभामों अध्यक्ष सुरेंद्र यादव, ईडन कॉलेज के चेयरमैन रवि नायर तथा कामगार नेता अभिजीत राणे सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने अनिल गलगली को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। वक्ताओं ने कहा कि गलगली लंबे समय से आरटीआई के माध्यम से पारदर्शिता और जनहित से जुड़े मुद्दों को सामने लाने के लिए सक्रिय हैं।

इस दौरान भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी मुहिम और सार्वजनिक व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के प्रयासों की सराहना की गई। कार्यक्रम में सामाजिक एवं सार्वजनिक हित से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा हुई।

श्री राम अपार्टमेंट में महागणपति की भव्य स्थापना, भजन गायक दिनेश्वर कुशवाहा के भजनों से भक्तिमय हुआ माहौल

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत अवध नगर स्थित जय हिंद गली के श्री राम अपार्टमेंट में पांच दिवसीय महागणपति उत्सव का सोमवार 14 सितंबर 2026 को विधिवत शुभारंभ हुआ। गणपति बप्पा की मूर्ति की विधि-विधान से स्थापना की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और गणपति बप्पा के दर्शन कर सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन का आशीर्वाद लिया। गणपति स्थापना के अवसर पर पूरे परिसर में भक्तिमय माहौल देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और उत्साह के साथ गणपति बप्पा की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर प्रसिद्ध भजन गायक दिनेश्वर कुशवाहा ने गणपति बप्पा के एक से बढ़कर एक सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी। उनके मधुर भजनों से उपस्थित श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गये और पूरा परिसर गणपति बप्पा मोरया के जयघोष से गूंज उठा। आयोजकों ने बताया कि पांच दिवसीय महागणपति उत्सव के दौरान विभिन्न धार्मिक एवं भक्तिमय कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। श्रद्धालुओं से उत्सव में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर गणपति बप्पा का आशीर्वाद प्राप्त करने का आहवान किया गया है।

यादव नगर में गूंजा गणपति बप्पा मोरया का जयघोष

इन्द्र बहादुर सिंह के निवास पर गणपति बप्पा का हुआ भव्य आगमन, श्रद्धालुओं ने किये दर्शन

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत यादव नगर में सोमवार 14 सितंबर 2026 को इन्द्र बहादुर सिंह के निवास स्थान पर गणपति बप्पा का भक्तिमय वातावरण में आगमन हुआ। गणपति स्थापना के साथ ही पूरे परिसर में श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला। गणपति बप्पा की स्थापना के उपलक्ष्य में मंगलवार 15 सितंबर को विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हुए और विधि-विधान से भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा के दर्शन कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। धार्मिक कार्यक्रम के पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर पूरा क्षेत्र गणपति बप्पा मोरया के जयघोष से भक्तिमय नजर आया।

एक हजार पौधों के रोपण से पर्यावरण संरक्षण का संदेश

● मंगल भारत अभियान, केशव सृष्टि और रेगालिज मेडिकेयर की संयुक्त पहल; आदिवासी किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भी कदम

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। पर्यावरण संरक्षण, हरित भारत के निर्माण और आदिवासी किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से रेगालिज मेडिकेयर लिमिटेड ने अपनी 10वीं वर्षगांठ को एक प्रेरणादायी सामाजिक पहल के रूप में मनाया। कंपनी की एक दशक लंबी विकास यात्रा में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले डॉक्टरों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए आम, अमरूद, नींबू और काजू के एक हजार फलदार पौधों का रोपण किया गया।

यह विशेष वृक्षारोपण अभियान मंगल भारत अभियान ने केशव सृष्टि और राष्ट्रीय सेवा योजना, मुंबई विश्वविद्यालय के सहयोग से पालघर जिले के डहाणू तालुका स्थित बापूगांव पोस्ट के शेनसारी पाटील पाड़ा गांव में आयोजित किया। कार्यक्रम में 144 प्रतिभागियों सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों, विद्यार्थियों, डॉक्टरों, समाजसेवकों और पर्यावरण प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। आदिवासी समाज के साथ विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की सहभागिता ने प्रकृति संरक्षण, सामाजिक एकता और सामुदायिक भागीदारी का सुंदर संदेश दिया। 10वीं वर्षगांठ को प्रकृति के नाम समर्पित रेगालिज मेडिकेयर लिमिटेड की 10वीं

वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि कंपनी की दस वर्षों की यात्रा में साथ देने वाले डॉक्टरों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का हरित प्रतीक भी बना।इस अवसर पर रेगालिज मेडिकेयर लिमिटेड की महाप्रबंधक सिमंतनी पांजा, मंगल भारत अभियान के अध्यक्ष मनोज तोडी, जनसंपर्क अधिकारी इशिका शर्मा, पालघर जिला प्रमुख तनिष त्रिवेदी, पालघर जिला समन्वयक श्याम यादव, अभियान समन्वयक रोनक त्रिवेदी एवं मोहित त्रिवेदी, केशव सृष्टि के वाडा कृषि प्रमुख दिलीप पवारा, विनोद भोये कासा केंद्र प्रमुख तथा दिनेश भोये, कासा विस्तार अधिकारी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। पर्यावरण संरक्षण के साथ किसानों की आय बढ़ाने की पहल अभियान की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह रही कि वृक्षारोपण को केवल पर्यावरण संरक्षण तक सीमित न रखते हुए इसे आदिवासी किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण से भी जोड़ा गया। केशव सृष्टि की ग्राम विकास योजना के अंतर्गत लगाए गए आम, अमरूद, काजू और नींबू जैसे फलदार पौधे आने वाले वर्षों में आदिवासी किसानों के लिए अतिरिक्त आय और आजीविका का स्थायी साधन बन सकते हैं। इससे एक ओर हरित क्षेत्र का विस्तार होगा, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है। इस पहल ने पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण विकास को एक साथ जोड़ते हुए यह संदेश दिया कि यदि वृक्षारोपण को योजनाबद्ध तरीके से किसानों की आजीविका से जोड़ा जाए, तो पेड़ आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरणीय संपदा के साथ आर्थिक संपत्ति भी बन सकते हैं।

एक नागरिक–पांच पेड़ का संकल्प: कार्यक्रम का प्रेरणादायी क्षण उस समय आया, जब मंगल भारत अभियान की जनसंपर्क अधिकारी इशिका शर्मा ने सभी 144 प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। सभी प्रतिभागियों ने संकल्प लिया कि वे हर वर्ष कम से कम पांच देशी पेड़ लगाएंगे और लगाए गए पौधों के संरक्षण, देखभाल एवं पालन-पोषण की जिम्मेदारी भी निभाएंगे।

गणपति बप्पा के प्रथम दिवस पर नगरसेवक नवीन सिंह ने लिया आशीर्वाद

विभिन्न स्थानों और क्षेत्रवासियों के घर पहुंचकर डेढ़ दिन के गणपति बप्पा के किए दर्शन

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। गणेशोत्सव के पावन अवसर पर मीरा रोड वार्ड क्रमांक 16 के भाजपा नगरसेवक नवीन सिंह ने गणपति बप्पा के प्रथम दिवस पर विभिन्न स्थानों एवं क्षेत्रवासियों के घर पहुंचकर डेढ़ दिन के गणपति बप्पा के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान नगरसेवक नवीन सिंह ने श्रद्धापूर्वक गणपति बप्पा की पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों से मुलाकात की। गणेशोत्सव के इस पावन पर्व पर उन्होंने सभी के सुख-शांति, उत्तम स्वास्थ्य एवं समृद्धि की मंगलकामना की।

नवीन सिंह ने कहा कि गणपति बप्पा का आगमन श्रद्धा, भक्ति और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश लेकर आता है। बप्पा के आशीर्वाद से सभी के जीवन में सुख, शांति और खुशहाली बनी रहे, यही उनकी प्रार्थना है। गणपति बप्पा के दर्शन के दौरान क्षेत्र के नागरिकों एवं गणेश भक्तों में भी उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक एवं गणेश भक्त उपस्थित रहे।

पांच हजार करोड़ की संपत्ति के मालिक गुरु के आदेश पर एक दिन के लिए बने भिखारी!

मुंबई। करोड़ों की संपत्ति, आलीशान जीवनशैली, सुरक्षा व्यवस्था और महंगी गाड़ियों का काफिला... इन सबको एक दिन के लिए किनारे रखते हुए घाटकोपर पूर्व के भाजपा विधायक पराग शाह ने गुरु के आदेश पर भिखारी का रूप धारण कर सड़कों पर भीख मांगने का अनोखा अनुभव लिया। उनके इस अनोखे प्रयोग का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और इसकी काफी चर्चा हो रही है।

जैन धर्म के चातुर्मास के दौरान विधायक पराग शाह के गुरु राष्ट्रसंत नम्रमुनिजी महाराज ने उन्हें जीवन के दूसरे पहलू को करीब से समझने के लिए एक दिन सामान्य भिखारी की तरह जीवन जीने का अनुभव लेने की सलाह दी। गुरु के आदेश को स्वीकार करते हुए पराग शाह ने अपना पूरा पहनावा और हुलिया बदल लिया। चेहरे पर मेकअप कर उन्होंने भिखारी का रूप धारण किया और घाटकोपर के विभिन्न इलाकों में सड़कों पर घूमे।

इस दौरान उन्होंने नागरिकों से भीख मांगी। भीख में मिले पैसों से भोजन कर उन्होंने भिखारी के जीवन की परिस्थितियों को करीब से अनुभव किया। साथ ही उन्होंने सड़कों और फुटपाथ पर झाड़ू लगाकर सफाई भी की। खास बात यह रही कि इस दौरान उन्हें देखने वाले किसी भी व्यक्ति ने उन्हें घाटकोपर के विधायक पराग शाह के रूप में पहचान नहीं पाया।

इस अनुभव के माध्यम से उन्हें आम लोगों और सड़कों पर जीवन बिताने वाले लोगों के दैनिक संघर्ष को करीब से समझने का अवसर मिला। इस दौरान उनके साथ न तो विधायक की पहचान थी, न सुरक्षा कर्मियों का काफिला और न ही महंगी गाड़ियों का काफिला।

इस पूरे अनुभव का सबसे दिलचस्प पहलू यह रहा कि जिन-जिन स्थानों पर पराग शाह भिखारी के रूप में लोगों के सामने गए और उनसे मदद मांगी, उन्हीं स्थानों पर बाद में मेकअप हटाकर वे दोबारा पहुंचे और लोगों से बातचीत की। कुछ समय पहले जिन लोगों के सामने एक भिखारी खड़ा था, वही व्यक्ति घाटकोपर के विधायक पराग शाह हैं, यह जानकर कई लोग हैरान रह गए।

राष्ट्रसंत नम्रमुनिजी महाराज ने चातुर्मास के दौरान लोगों को आशीर्वाद देते हुए इस अनोखे अनुभव का वीडियो साझा किया, जिसके बाद यह बात सार्वजनिक हुई। गुरु के मार्गदर्शन में लिए गए इस अनुभव के माध्यम से विधायक पराग शाह ने समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्गों के जीवन को करीब से समझने का प्रयास किया।

कल्याण के आगरा रोड पर दिनदहाड़े 40 लाख की फिल्मी स्टाइल लूट

◆ व्यापारी को बाइक से गिराकर मारपीट, नकदी से भरा बैग लेकर आरोपी फरार

◆ सीसीटीवी के आधार पर चार पुलिस टीमें जांच में जुटीं

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण के आगरा रोड पर मंगलवार को दिनदहाड़े करीब 40 लाख रुपये की नकदी की लूट की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। बैंक में रकम जमा करने जा रहे व्यापारी फारूख अख्तर को चार आरोपियों ने निशाना बनाया। आरोपियों ने व्यापारी की दोपहिया गाड़ी को लात मारकर सड़क पर गिरा दिया और उसके साथ मारपीट कर नकदी से भरा बैग लेकर फरार हो गए। यह पूरी वारदात आगरा रोड स्थित शू मॉल के सामने लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। घटना की जानकारी मिलते ही बाजारपेठ पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश के लिए चार अलग-अलग टीमें रवाना की हैं। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान और उनके भागने के मार्ग का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस आसपास के अन्य सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है। इस घटना से कल्याण के व्यस्त आगरा रोड इलाके में दिनदहाड़े हुई लूट को लेकर व्यापारियों और नागरिकों में चिंता का माहौल है। वही पूरे मामले में एसीपी अशोक होनमाने ने कहा कि इस लूट में लिप्त आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

काशीगांव पुलिस की सतर्कता से दंपति और दो बच्चों की जान बची

◆ फाउंटेन ब्रिज पर आत्महत्या की कोशिश की सूचना मिलते ही पुलिस ने दिखाई तत्परता; पारिवारिक एवं आर्थिक विवाद में उठाया था खतरनाक कदम

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। फाउंटेन ब्रिज पर एक व्यक्ति द्वारा अपनी पत्नी और दो छोटे बच्चों के साथ आत्महत्या करने की कोशिश की सूचना मिलते ही काशीगांव पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए चार लोगों की जान बचाने में सफलता हासिल की। पुलिस की सतर्कता, तत्परता और संवेदनशीलता की सराहना की जा रही है। पुलिस के अनुसार, 15 सितंबर 2026 को दोपहर करीब 1:58 बजे मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक को फाउंटेन ब्रिज पर एक व्यक्ति अपनी पत्नी और दो छोटे बच्चों के साथ आत्महत्या करने का प्रयास कर रहा है, ऐसी जानकारी प्राप्त हुई। पुलिस आयुक्त ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल पुलिस नियंत्रण कक्ष को घटनास्थल पर अधिकारी भेजने के निर्देश दिए। इसके बाद नियंत्रण कक्ष ने काशीगांव पुलिस स्टेशन के अंतर्गत वसोर्वा बीट मार्शल क्रमांक 4 पर तैनात पोहवा संतोष धुला कोकरे और पोशी विकास श्रीरंग मोहिते को तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। दोनों बीट मार्शल बिना समय गंवाए फाउंटेन ब्रिज पहुंचे और करीब 2:18 बजे संबंधित दंपति एवं बच्चों को सुरक्षित अपने कब्जे में लेकर स्थिति को नियंत्रित किया।

आर्थिक परेशानी के चलते उठाया खतरनाक कदम: पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि संबंधित युवक डिलीवरी बॉय के रूप में काम करता है और मीरा रोड पूर्व क्षेत्र में अपनी पत्नी, दो बेटियों तथा अन्य रिश्तेदारों के साथ रहता है। बताया गया कि कुछ महीने पहले उसने अपनी बहन के पास सोना गिरवी रखकर करीब 3.5 लाख रुपये उधार लिए थे। आर्थिक तंगी के चलते वह इस रकम को चुकाने को लेकर परेशान था। उसने अपनी बहन से गिरवी रखा सोना बेचकर शेष रकम वापस करने की बात कही थी। आर्थिक परेशानी और पारिवारिक विवाद के कारण वह मानसिक रूप से तनाव में था और इसी वजह से उसने यह खतरनाक कदम उठाने का प्रयास किया। पुलिस ने समझाइश देकर सुलझाया पारिवारिक विवाद बीट मार्शलों ने दंपति को सुरक्षित काशीगांव पुलिस स्टेशन पहुंचाया। पुलिस अधिकारियों ने दोनों को समझाया-बुझाया तथा परिवार के सदस्यों से बातचीत कर तत्काल पारिवारिक विवाद को सुलझाने का प्रयास किया। काशीगांव पुलिस की समय पर मिली सूचना पर तत्काल कार्रवाई, बीट मार्शलों की सतर्कता और संवेदनशील रवैये के चलते एक दंपति और उनके दो मासूम बच्चों की जान बचाई जा सकी। इस कार्रवाई ने एक बार फिर साबित किया कि पुलिस की सतर्कता और समय पर हस्तक्षेप किसी भी गंभीर परिस्थिति को टालकर अनमोल जिंदगियां बचा सकता है।

मुंब्रा-शिळफाटा में TVS शोरूम का भव्य उद्घाटन

◆ उद्यमी नरेंद्र सिंह ने ली TVS कंपनी की डीलरशिप

◆ ग्राहकों को मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं- नरेंद्र सिंह

कल्याण (उत्तरशक्ति)। मुंब्रा-शिळफाटा परिसर के वाहनप्रेमियों के लिए खुशखबरी है। क्षेत्र में TVS कंपनी के नए अधिकृत शोरूम का भव्य उद्घाटन किया गया। कल्याण के उद्यमी नरेंद्र सिंह ने Honda और Yamaha के बाद अब TVS कंपनी की डीलरशिप लेकर इस क्षेत्र में व्यवसाय के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। नए शोरूम का उद्घाटन TVS कंपनी के जोनल मैनेजर अरविंद कुमार गुप्ता के हाथों फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर कंपनी के रीजनल मैनेजर विशाल विक्रम सिंह, एरिया मैनेजर अंकुर गुप्ता, आशिष कुमार जायसवाल सहित मुंब्रा ब्रांच के नरेंद्र सिंह परिवार के सदस्य एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। मुंब्रा-शिळफाटा परिसर में तेजी से हो रहे विकास को देखते हुए यहां TVS का अधिकृत शोरूम शुरू होने से ग्राहकों को कंपनी के विभिन्न मॉडल एक ही स्थान पर देखने और खरीदने की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही वाहनों की सर्विसिंग और अन्य आफ्टर-सेल्स सुविधाएं भी ग्राहकों को उपलब्ध कराई जाएंगी। उद्घाटन के अवसर पर उद्यमी नरेंद्र सिंह ने कहा कि ग्राहकों को बेहतरीन सेवा उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता रहेगी। ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए शोरूम के माध्यम से आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

स्व. पंडित नाना मित्रमंडल के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में विराजमान गणपति बप्पा का दर्शन शुभारंभ

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी। गणेशोत्सव के पावन अवसर पर चंदन बाग परिसर में विराजमान चंदन बाग के राजा के भव्य दर्शन का शुभारंभ नौ कन्याओं के हाथों विधिवत पूजन-अर्चन के साथ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणेश भक्त उपस्थित रहे। स्व. पंडित नाना मित्र मंडल के संस्थापक अध्यक्ष साईनाथ पवार के मार्गदर्शन में पिछले 37 वर्षों से चंदन बाग में गणपति बप्पा की स्थापना कर शहर की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की जा रही है। इस वर्ष मंडल की ओर से तेलंगाना स्थित प्रसिद्ध स्वर्णगिरी मंदिर की भव्य झांकी तैयार की गई है, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। मंडल के संस्थापक अध्यक्ष साईनाथ पवार ने बताया कि गणेश स्थापना के प्रथम दिन नौ कन्याओं के हाथों बप्पा का पूजन एवं दर्शन कराया जाता है। उन्होंने कहा कि कन्याएं हमारी जननी का स्वरूप हैं, इसलिए उन्हीं के हाथों से शुभारंभ कराने की परंपरा निभाई जाती है। शुभारंभ के अवसर पर परिसर स्थित दीप कॉम्प्लेक्स की दीप गर्ल्स ने लेझिम एवं सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति देकर गणपति बप्पा का आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर साईनाथ पवार, युवा नेता विराज पवार, संभाजी खोपडे, उमेश चौधरी, नितिन खोपडे, पी एन पाटिल, संजय पवार, एम एम ठाकरे आदि लोग उपस्थित थे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

गणेश विसर्जन के लिए यातायात व्यवस्था में बदलाव

◆ 15 से 25 सितंबर तक प्रमुख विसर्जन मार्गों पर रहेगा यातायात नियंत्रण, कई सड़कें एकतरफा; यात्रियों को ले जाने वाले वाहनों पर प्रतिबंध

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। श्री गणेश उत्सव के दौरान गणपति प्रतिमाओं के विसर्जन जुलूस को सुचारू रूप से संचालित करने और संभावित यातायात जाम एवं दुर्घटनाओं को रोकने के लिए मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के यातायात विभाग द्वारा विशेष यातायात नियंत्रण अधिसूचना जारी की गई है।पुलिस उपायुक्त, जोन-1, मीरा रोड, राहुल एल. चव्हाण द्वारा 12 सितंबर 2026 को जारी अधिसूचना के अनुसार गणपति विसर्जन के प्रमुख दिनों में दोपहर 3 बजे से विसर्जन जुलूस समाप्त होने तक विभिन्न मार्गों पर यातायात में बदलाव लागू रहेगा। यह यातायात नियंत्रण 15 सितंबर (डेढ़ दिन), 16 सितंबर (तीन दिन), 18 सितंबर (पांच दिन), 19 सितंबर (छठे दिन एवं गौरी विसर्जन), 20 सितंबर (सातवें दिन) तथा 25 सितंबर (अनंत चतुर्दशी) को लागू रहेगा। गोल्डन नेस्ट से जैसल पार्क चौपाटी तक विशेष व्यवस्था गोल्डन नेस्ट से गणपति विसर्जन के लिए जाने वाले वाहनों को नवघर फाटक (महाराणा प्रताप चौक) तक निर्धारित मार्ग से जाना होगा। बड़े वाहन नवघर फाटक से घोड़देव नाका और बी.पी. रोड होते हुए जैसल पार्क चौपाटी की ओर जाएंगे, जबकि छोटे हाथी, टेम्पो, ऑटो रिक्शा, कार और पिकअप जैसे छोटे वाहन फाटक रोड, केबिन रोड तथा भायंदर पूर्व रेलवे स्टेशन के मार्ग से विसर्जन स्थल तक पहुंचेंगे। गोल्डन नेस्ट से घोड़देव चेकपॉइंट, केबिन रोड, स्टेशन रोड तथा संबंधित मार्गों पर यातायात को आवश्यकता के अनुसार एकतरफा किया जाएगा। विसर्जन के बाद वाहनों के लिए अलग वापसी मार्ग जैसल पार्क चौपाटी पर विसर्जन के बाद खाली वाहन कोलीवाड़ा, आरएनपी पार्क, काशी विश्वनाथ मंदिर, एस.वी. रोड, नवघर रोड, नवघर नाका, विमल डेयरी और इंद्रलोक नाका होते हुए गोल्डन नेस्ट की ओर लौटेंगे। इस दौरान संबंधित मार्गों पर यातायात एकतरफा रहेगा, ताकि आने-जाने वाले वाहनों के कारण जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। भायंदर पश्चिम में कई मार्गों पर वाहनों का प्रवेश बंद भायंदर पश्चिम में नेताजी सुभाष चंद्र बोस मैदान से स्टेशन रोड, भायंदर पुलिस स्टेशन के सामने से खाड़ी तक, भायंदर पुलिस स्टेशन से फाटक रोड और अंबेडकर प्रतिमा तक जाने वाले मार्ग सहित कुछ प्रमुख सड़कों पर गणेश विसर्जन के दौरान वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.**- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

आजमगढ़ में तेज रफ्तार स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर पेड़ टकराई, तीन की मौत

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि छह घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, आजमगढ़ के फूलपुर कोतवाली इलाके के जगदीशपुर गांव के पास मंगलवार की भोर में एक तेज रफ्तार स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराने के बाद पलट गई। इस भीषण हादसे में कार में सवार तीन युवकों की मौके पर और उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं, छह अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों और घायलों के परिजनों में कोहराम मच गया। सीओ फूलपुर किरण पाल सिंह ने बताया कि पंजाब नंबर की स्विफ्ट कार में कुल नौ लोग सवार थे। ये सभी फूलपुर से सरायमीर की ओर जा रहे थे। युवकों ने गणेश प्रतिमा स्थापित की थी और वे रातभर पंडाल में शामिल थे। मंगलवार भोर में करीब साढ़े चार

हादसे में छह लोग घायल

बजे जगदीशपुर के पास यह दुर्घटना हुई। इस हादसे में सत्यम मोदनवाल (20) और निखिल गुप्ता (17) की मौके पर ही दुखद मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल लकी सोनकर (19) ने फूलपुर अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना में घायल होने वालों में अंश सोनकर (17), अनमोल मोदनवाल (18), किशन मोदनवाल (20), सक्षम बरनवाल (17), अनुराग पांडेय और शगुन उर्फ कौस्तुभ पांडेय शामिल हैं। इन सभी का अस्पताल में उपचार चल रहा है। युवक गणेश प्रतिमा स्थापित करने के बाद रातभर पंडाल में मौजूद थे। सुबह करीब साढ़े चार बजे वे पंडाल से लौट रहे थे। जगदीशपुर के पास उनकी तेज रफ्तार स्विफ्ट कार अचानक अनियंत्रित हो गई। कार सड़क किनारे एक पेड़ से टकराई और फिर पलट गई। यह टक्कर इतनी भीषण थी कि तीन युवकों की जान चली गई और अन्य छह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर क्षेत्राधिकारी किरण पाल सिंह और फूलपुर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया और घटना की जांच शुरू कर दी है। मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस मामले की आगे की छानबीन कर रही है।

जौनपुर की बेटी ने अमेरिका के आसमान में रचा इतिहास, बनीं पायलट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं नगर की बेटी सामिया फलवा ने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के दम पर आसमान की ऊंचाइयों को छूकर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अमेरिका के कैलिफोर्निया में करीब 15 माह के फ्लाइंग प्रशिक्षण के बाद सामिया ने 300 घंटे की सफल उड़ान पूरी कर पायलट बनने का गौरव हासिल किया है। उन्हें मड़ियाहूं

300 घंटे की सफल फ्लाइंग पूरी कर सामिया फलवा ने हासिल किया पायलट बनने का गौरव

नगर की पहली महिला पायलट बताया जा रहा है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार के साथ ही नगर और क्षेत्र में खुशी की लहर है।

पायलट बनकर घर पहुंचीं सामिया का परिजनों, ग्रामीणों, शुभचिंतकों और नगरवासियों ने गर्मजोशी के साथ भव्य स्वागत किया। इस दौरान लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सामिया की सफलता को क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणादायी उपलब्धि माना जा रहा है।

बचपन में देखा सपना, मेहनत से किया साकार: सामिया ने बताया कि बचपन में माता-पिता के साथ हवाई यात्रा के दौरान जब उन्होंने महिला पायलटों को विमान उड़ाते

देखा, तभी उनके मन में भी पायलट बनने का सपना जागा। इसके बाद उन्होंने विमान उड़ाने को अपना लक्ष्य बना लिया और लगातार मेहनत करते हुए इस सपने को साकार करने की दिशा में कदम बढ़ाया। सामिया की इस सफलता में उनके परिवार का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने अपनी उपलब्धि का श्रेय माता-पिता और परिवार को देते हुए कहा कि उनके पिता हमेशा उन्हें बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए प्रेरित करते रहे, वहीं मां ने हर कदम पर उनका हौसला बढ़ाया।

लखनऊ से पढ़ाई, दिल्ली में डीजीसीए परीक्षा और अमेरिका में प्रशिक्षण: सामिया ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की शिक्षा लखनऊ से पूरी की। इसके बाद दिल्ली से डीजीसीए की परीक्षा उत्तीर्ण की। पायलट बनने के लिए उनका चयन अमेरिका के कैलिफोर्निया में फ्लाइंग ट्रेनिंग के लिए हुआ, जहां उन्होंने करीब 15 माह तक प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें तकनीकी परीक्षाओं के साथ नियमित उड़ान अभ्यास और पायलट प्रशिक्षण की विभिन्न प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ा। कठिन प्रशिक्षण और लगातार अभ्यास के बाद उन्होंने सफलतापूर्वक 300 घंटे की फ्लाइंग पूरी की और पायलट बनने की उपलब्धि हासिल की।

माता-पिता का नाम किया रोशन: नगर पंचायत अध्यक्ष रुखसाना कमाल फारूकी और कमाल फारूकी की पुत्री सामिया की इस उपलब्धि पर परिवार में खासा उत्साह है। सामिया की सफलता ने न केवल उनके माता-

15 माह के कठिन प्रशिक्षण के बाद घर पहुंचीं तो नगरवासियों ने किया भव्य स्वागत, बेटियों के लिए बनीं प्रेरणा

पिता का गौरव बढ़ाया है, बल्कि मड़ियाहूं नगर को भी एक नई पहचान दिलाई है।

बेटियों के सपनों को मिली नई उड़ान: सामिया की कहानी यह संदेश देती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो, मेहनत में निरंतरता हो और परिवार का सहयोग मिले तो बेटियां किसी भी ऊंचाई को हासिल कर सकती हैं। मड़ियाहूं की इस बेटी ने विमान के साथ अपने सपनों को भी उड़ान दी है। उनकी सफलता आज क्षेत्र की उन तमाम बेटियों के लिए प्रेरणा बन गई है, जो बड़े सपने देखती हैं और उन्हें हकीकत में बदलना चाहती हैं।

सीमित संसाधनों में भी उत्कृष्ट कार्य संभव: कुलपति

◆ **विश्वेश्वरैया सभागार में धूमधाम से मना इंजीनियर्स डे**

◆ **पोस्टर, डिबेट समेत रंगोली के प्रतिभागी सम्मानित**

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान स्थित विश्वेश्वरैया सभागार में आज इंजीनियर्स डे का भव्य आयोजन मंगलवार को किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह बतौर मुख्य अतिथि कहा, कि उत्कृष्ट कार्य करने के लिए हमेशा अधिक संसाधनों की आवश्यकता नहीं होती। उपलब्ध सीमित संसाधनों का बेहतर उपयोग करके भी श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।₹ उन्होंने कहा कि यदि उनके किसी प्रयास से विद्यार्थियों के चेहरे पर मुस्कान आती है, तो इससे बड़ी खुशी की बात उनके लिए और कुछ नहीं हो सकती।

रोजगार और भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए विद्यार्थियों को निरंतर कौशल विकास पर बल देने का आह्वान करते हुए कुलपति ने कहा, 'प्लेसमेंट की तैयारी के लिए विद्यार्थियों को अपनी स्किल्स को लगातार विकसित करना चाहिए। कुलपति ने कहा, 'मैं केवल अपने कार्यालय में बैठकर कार्य करने के लिए नहीं आया हूँ। मैं स्वयं विद्यार्थियों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझूंगा और उनका समाधान करूंगा।'

इस अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। गतिविधियों में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इस अवसर पर पूनम सोनकर, डॉ. विशाल यादव, प्रीति

पोस्टर प्रतियोगिताः श्रेयस प्रजापति एवं टीम – प्रथम स्थान, डिबेट प्रतियोगिताः प्रतीक तिवारी एवं टीम – विजेता, इनोवेटिव आइडिया प्रतियोगिताः गणेश मौर्य – प्रथम स्थान, रंगोली प्रतियोगिताः श्रेया, यश्वी एवं टीम – प्रथम स्थान। सभी विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रवि प्रकाश के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विभिन्न रचनात्मक, तकनीकी एवं ज्ञानवर्धक शर्मा, डॉ. रितेश बरनवाल, डॉ. पारुल त्रिवेदी और डॉ. संतोष त्रिपाठी सहित अन्य शिक्षकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. ए.के. श्रीवास्तव, श्री शैलेश प्रजापति, डॉ. प्रवीण सिंह, डॉ. ज्योति सिंह, डॉ. अजय कुमार मौर्य, श्री तुषार श्रीवास्तव, श्री सुधीर सिंह सहित अन्य शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। विद्यार्थियों में समर, प्रांजल, विशाल एवं अंकित तिवारी ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

बदलापुर में सांप के डंसने से छात्रा की मौत

बहन के साथ घर में सो रही थी आंचल, बेड पर चढ़े सांप के डंसने की बताई जा रही घटना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के मछलीगांव में सांप के डंसने से 21 वर्षीय बीए की छात्रा आंचल की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि आंचल घर में अपनी बहन के साथ सो रही थी। इसी दौरान बेड पर चढ़े सांप ने उसे डंस लिया। सांप के डंसने के बाद परिजन छात्रा को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन एक निजी अस्पताल भी पहुंचे, जहां चिकित्सक ने भी मौत की पुष्टि की। घटना के बाद सांप की तलाश में सर्प पकड़ने वालों को बुलाया गया। काफी खोजबीन के बावजूद सांप का पता नहीं चल सका। छात्रा की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। गांव में भी शोक और मातम का माहौल है।

दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित कर किशोरियों को किया गया जागरूक

जितेन्द्र कनोजिया

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के थानागद्दी में स्थित धर्मशाला में आस्था महिला एवं बाल विकास संस्था द्वारा संचालित ह्लप्रोजेक्ट मेरी मुस्कानह्व परियोजना के तहत किशोरियों को सशक्त व समग्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है उठाते हुए लैंगिक भेदभाव व हिंसा पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों को लैंगिक

भेदभाव,हिंसा व उनके अधिकारों तथा सामान्य जागरूकता से संबंधित मुद्दों पर शिक्षित व सशक्त बनाना था। प्रशिक्षण सत्र का संचालन अनुभवी ट्रेनर दीक्षा सिंह द्वारा किया गया,जिन्होंने किशोरियों को लैंगिक समानता, हिंसा से बचाव, कानूनी अधिकारों और आत्मविश्वास निर्माण जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी की दी।कार्यक्रम के दौरान किशोरियों ने सक्रिय रूप से चचाओं, प्रश्नोत्तरी सत्रों एवं समूह गतिविधियों में भाग लेकर अपने विचार साझा किए। प्रतिभागियों ने बताया कि ऐसे प्रशिक्षण से उन्हें अपने अधिकारों की समझ मिली है और वे भविष्य में लैंगिक असमानता के खिलाफ आवाज उठाने के लिए तैयार हैं।कार्यक्रम में ग्राम पंचायत बराई, बेहड़ा, निहालपुरा, डेढुवाना, कनुवानी एवं नाउपुर की कुल 6 ग्राम पंचायतों की किशोरियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।इस अवसर पर कार्यक्रम प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर बंदना,फील्ड कॉर्डिनेटर सविता,शीला व अंकित समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

लायंस क्लब जौनपुर रॉयल ने किया वृहद पौधारोपण

पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए 20 फलदार, फूलदार एवं छायादार पौधे लगाए

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से लायंस क्लब जौनपुर रॉयल द्वारा वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था के सदस्यों ने 20 फलदार, फूलदार एवं छायादार पौधे लगाए।

कार्यक्रम में संस्था के पूर्व अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर एवं पूर्व अध्यक्ष संजीव साहू की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस दौरान लायंस क्लब जौनपुर रॉयल के सदस्यों ने पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लिया।

वक्ताओं ने कहा कि पौधारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य की नींव है। फलदार, फूलदार और छायादार पौधे पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ ही प्रकृति की सुंदरता बढ़ाने में भी

महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम के दौरान 'एक पौधा आज लगाएँ, हरियाली का भविष्य बनाएँ' का संदेश दिया गया। लायंस क्लब जौनपुर रॉयल परिवार ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए भविष्य में भी सामाजिक एवं पर्यावरण हित से जुड़े कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

जायसवाल सेवा समिति ने संगठन विस्तार के लिए घोषित किए नए पदाधिकारी

जायसवाल समाज की एकजुटता पर जोर, तहसील व नगर इकाई का गठन

संगठन की मजबूती के लिए जायसवाल समाज ने सौंपे पदाधिकारियों को दायित्व

केराकत जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जायसवाल सेवा समिति तहसील केराकत की ओर से संगठन विस्तार एवं पदाधिकारियों की घोषणा कार्यक्रम आयोजित किया गया। तहसील प्रभारी घनश्याम जायसवाल की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में तहसील क्षेत्र के विभिन्न बाजारों, गांवों और नगर केराकत से समाज के लोग शामिल हुए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जायसवाल क्लब वाराणसी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नंदलाल जायसवाल ने तहसील एवं नगर इकाई के नवनियुक्त पदाधिकारियों की घोषणा की। उन्होंने समाज को संगठित करने और संगठन को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाने पर जोर दिया। आजीवन सदस्यता के माध्यम से संगठन को मजबूत बनाने की बात भी कही गई।

तहसील इकाई में अभय कुमार जायसवाल को अध्यक्ष, हरिनारायण जायसवाल उर्फ राजू को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, बच्चेलाल जायसवाल को महामंत्री, अभिषेक जायसवाल को कोषाध्यक्ष, अशोक जायसवाल को आय-व्यय निरीक्षक और मुकेश जायसवाल को सचिव बनाया गया।

वहीं नगर केराकत इकाई में राजकुमार जायसवाल को अध्यक्ष, कैलाश जायसवाल को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सुधीर जायसवाल उर्फ सोनू को महामंत्री, मनोज जायसवाल को आय-व्यय निरीक्षक और बृजेश जायसवाल को सचिव की जिम्मेदारी दी गई।

कार्यक्रम में समाज के कुलदेवता भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन को श्रद्धा-सुमन अर्पित कर समाज की एकता और संगठन की मजबूती की कामना की गई। इसके अलावा स्वर्गीय काशीनाथ जायसवाल के समाज के प्रति योगदान को याद करते हुए उन्हें भारत रत्न दिए जाने की मांग भी उठाई गई। इस दौरान अशोक जायसवाल, सतीश जायसवाल, शैलेश जायसवाल, ज्ञान प्रकाश जायसवाल, कैलाश जायसवाल, बच्चेलाल जायसवाल, दयानंद जायसवाल, मुकेश जायसवाल, संतोष जायसवाल उर्फ गुड्डू और जिला सचिव बृजेश जायसवाल समेत अन्य लोगों ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।10

देर रात सड़कों की स्थिति परखने निकले जिलाधिकारी, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. ने सोमवार की देर रात जनपद

मुख्यालय के विभिन्न प्रमुख मार्गों का स्थलीय निरीक्षण कर सड़कों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर सड़कों की दशा, गड्ढों, प्रकाश व्यवस्था, जल निकासी सहित अन्य नगरीय व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने सद्भावना पुल से निरीक्षण की शुरूआत की। इसके बाद शाही किला, अटाला मस्जिद, जिला अस्पताल, जौनपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन, शकरमंडी, मोहम्मद हसन इंटर कॉलेज, कोतवाली क्षेत्र, सिपाह, कलेक्ट्रेट, लाइन बाजार और डाक बंगला लाइन बाजार सहित विभिन्न प्रमुख मार्गों का भ्रमण किया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को सड़कों की स्थिति में आवश्यक सुधार तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की सुविधा और सुरक्षित आवागमन सर्वोच्च प्राथमिकता है। सड़कों से संबंधित समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जाए तथा कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि यदि संबंधित विभागों द्वारा समस्याओं के समाधान में लापरवाही बरती गई तो संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय करते हुए कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इस दौरान मुख्य राजस्व अधिकारी, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी, जल निगम, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद जौनपुर, पीडब्ल्यूडी एवं नगर पालिका के अवर अभियंता सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में शिवा और अभ्युदय ने जीता स्वर्ण

होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल के दोनों छात्रों ने बढ़ाया जिले का मान

स्वर्ण पदक जीतकर लौटे छात्रों का विद्यालय में हुआ जोरदार स्वागत

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ग्रामसभा छितौना स्थित होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल के दो छात्रों ने कर्नाटक के सिलगुप्पी में आयोजित पांचवीं नेशनल कराटे चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। कक्षा छह के 12 वर्षीय छात्र शिवा यादव और कक्षा आठ के 13 वर्षीय छात्र अभ्युदय मौर्य ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर यह उपलब्धि हासिल कर विद्यालय के साथ ही जिले का नाम रोशन किया।

राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय लौटने पर दोनों छात्रों का जोरदार स्वागत किया गया। उनकी उपलब्धि से विद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों में खुशी का माहौल रहा।

दोनों छात्रों के सम्मान में विद्यालय परिसर में स्वागत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रबंधक बृजेश कुमार जायसवाल ने की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन का परिणाम है। विद्यालय प्रधानाचार्या मंजुला पाण्डेय एवं उप प्रधानाचार्या अंजली सिंह ने बच्चों के मनोबल को बढ़ाते हुए कहा कि खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने से उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है और वे आगे चलकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन कर सकते हैं। इस दौरान विद्यालय के हर्ष गुप्ता, सौभाग्य जायसवाल समेत शिक्षक, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

लायंस क्लब जौनपुर रॉयल ने गोकुल घाट पर चलाया स्वच्छता अभियान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से

लायंस क्लब जौनपुर रॉयल द्वारा गोकुल घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में संस्था के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता करते हुए घाट परिसर की साफ-सफाई की कार्यक्रम में संस्था के पूर्व अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर जी एवं पूर्व अध्यक्ष संजीव साहू जी सहित क्लब के सभी सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने एकजुट होकर तन-मन से श्रमदान करते हुए स्वच्छता अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया इस अवसर पर सदस्यों ने कहा कि स्वच्छ वातावरण स्वस्थ समाज की पहचान है। सार्वजनिक एवं धार्मिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। लोगों से भी अपील की गई कि वे कूड़ा-कचरा निर्धारित स्थान पर डालें और अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने में सहयोग करें।

लायंस क्लब जौनपुर रॉयल के इस अभियान के माध्यम से ह्लस्वच्छ घाट, स्वच्छ शहर और स्वस्थ समाजह्व का संदेश दिया गया। संस्था ने भविष्य में भी जनहित एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े ऐसे अभियानों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने प्रभारी मंत्री को सौंपा छह सूत्री मांगपत्र

कार्यालय भवन, कैशलेस चिकित्सा, टोल टैक्स में छूट, बीमा-पेंशन और पत्रकार सुरक्षा की उठाई मांग

रामकुमार गुप्ता

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के जिलाध्यक्ष विनोद कुमार मिश्रा के नेतृत्व में पत्रकारों ने मंगलवार को प्रदेश सरकार के प्रभारी राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा से मुलाकात कर ग्रामीण पत्रकारों की समस्याओं एवं कल्याण से जुड़ा छह सूत्री मांगपत्र सौंपा।

पत्रकारों ने कहा कि ग्रामीण पत्रकार विषम परिस्थितियों में गांव-गांव तक शासन की योजनाओं, विकास कार्यों और जनसमस्याओं को समाचारों के माध्यम से शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करते हैं। ऐसे में उनके सम्मान, सुरक्षा और कल्याण के लिए शासन स्तर से ठोस पहल जरूरी है।

मांगपत्र में जिला मुख्यालय पर संगठन के लिए कार्यालय भवन उपलब्ध कराने, ग्रामीण पत्रकारों एवं उनके परिवारों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ देने, समाचार संकलन के दौरान टोल प्लाजा पर टोल टैक्स में छूट देने, ग्रामीण पत्रकारों को बीमा योजना से जोड़ने तथा 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ ग्रामीण पत्रकारों को पेंशन का लाभ देने की मांग की गई।

इसके अलावा पत्रकारों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने से पूर्व राजपत्रित अधिकारी से जांच कराने तथा तहसील स्तर पर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ग्रामीण पत्रकारों की नियमित बैठक आयोजित करने

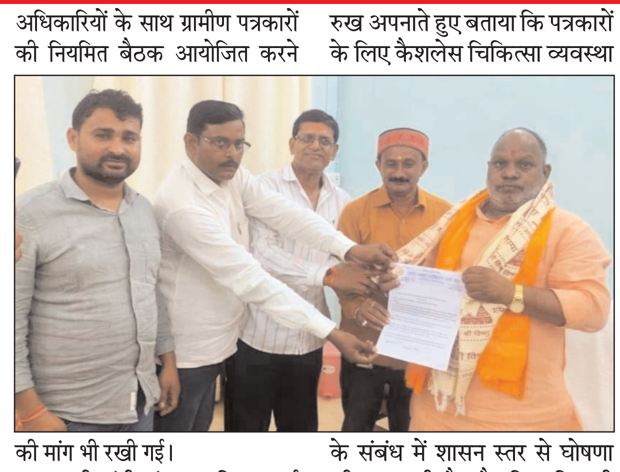

की मांग भी रखी गई।

प्रभारी मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने पत्रकारों की मांगों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए बताया कि पत्रकारों के लिए कैशलेस चिकित्सा व्यवस्था के संबंध में शासन स्तर से घोषणा की जा चुकी है और जिलाधिकारी को भी पत्र के माध्यम से अवगत कराया गया है। उन्होंने संगठनात्मक गतिविधियों के लिए कार्यालय भवन उपलब्ध कराने की दिशा में जल्द प्रयास करने का आश्वासन दिया।

जिलाध्यक्ष विनोद कुमार मिश्रा ने कहा कि ग्रामीण पत्रकार सीमित संसाधनों में जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हैं। उन्हें सम्मान, सुरक्षा और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना ग्रामीण पत्रकारिता को मजबूत करने के लिए आवश्यक है।

इस अवसर पर मंडल महामंत्री प्रदीप कुमार पांडेय, जिला उपाध्यक्ष सेराज अहमद, राम कुमार गुप्ता, अवधेश कुमार गुप्ता, रोहित तिवारी, रामकेश यादव सहित बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे।

राजन नाईक ने भाजपा नेता विनोद तावड़े के घर किए गणपति दर्शन

मुंबई। गणेशोत्सव के पावन अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद विनोद तावड़े के निवास पर गणपति बप्पा के दर्शन के लिए भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं नालासोपारा विधायक राजन नाईक पहुंचे। इस दौरान पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, जिला सचिव मनोज बारोट, कपिल म्हात्रे तथा वरिष्ठ नेता हरेंद्र दादा पाटिल भी उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने विधिवत रूप से श्री गणराय के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और बप्पा का आशीर्वाद लिया। गणेशोत्सव के भक्तिमय माहौल में नेताओं ने एक-दूसरे को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं भी दीं। इस दौरान विनोद तावड़े, राजन नाईक, महेंद्र पाटिल, कपिल म्हात्रे और हरेंद्र पाटिल ने एक साथ श्री गणराय के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

एकनाथ शिंदे के लंदन दौरे में मिले अवॉर्ड पर देवेंद्र फडणवीस ने कॅबिनेट के साथ किया सन्मान

मुंबई। मुंबई में कैबिनेट मीटिंग के बाद, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उपमुखमंत्री के लंदन में हाउस ऑफ लॉर्ड्स से मिले तीन अवॉर्ड, हाउस ऑफ कॉमन्स से स्टेट्समैनशिप अवॉर्ड और लंदन के महाराष्ट्र बोर्ड से ग्लोबल प्राइड ऑफ महाराष्ट्र के लिए फूलों का गुलदस्ता देकर बधाई दी।

एकनाथ शिंदे के लंदन दौरे से महाराष्ट्र और लंदन के बीच रिश्ते मजबूत हुए हैं, और सभी ने लंदन के खासदारो, उद्योगपतियों और मराठी भाइयों को राज्य की तरक्की के बारे में बताने के लिए मेरी तारीफ की। इस मौके पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और कैबिनेट में मेरे सभी साथी मंत्री मौजूद थे।

पीपरखाड़ में पीस कमेटी की बैठक संपन्न, दुर्गा पूजा व रामलीला को लेकर बनी रणनीति

कोन,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। कोन थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पीपरखाड़ में मंगलवार को दुर्गा पूजा एवं आगामी रामलीला मंचन को लेकर पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पिछले वर्ष आयोजित रामलीला के आय-व्यय का विवरण रखा गया तथा आगामी आयोजन को भव्य, आकर्षक एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में रामलीला मंचन की तैयारियों, प्रकाश व्यवस्था, दर्शकों के बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर सदस्यों ने अपने सुझाव दिए। सर्वसम्मति से दुर्गा पूजा एवं रामलीला कार्यक्रम को आपसी सहयोग, सौहार्द और भाईचारे के साथ संपन्न कराने का निर्णय लिया गया। आयोजन की जिम्मेदारी के लिए संरक्षक एवं प्रशासक संजय कुमार पासवान, अध्यक्ष मुकेश कुमार यादव, कोषाध्यक्ष संजय कुमार यादव, सचिव सुरेंद्र बैगा तथा महामंत्री प्रमोद कुमार यादव को जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा पंकज कुमार, छोटेलाल गुप्ता, अमरेश यादव, बबलू यादव, राजू रवानी, रमेश रवानी, विनोद रवानी, शशि कुमार मेहता, नागेंद्र यादव, दिवाकर भारती, पूजा आचार्य एवं रामप्यारे तिवारी को भी विभिन्न दायित्व सौंपे गए। बैठक में ग्राम पंचायत पीपरखाड़ के प्रशासक संजय कुमार पासवान, युवा समाजसेवी रामप्यारे तिवारी, मुकेश यादव, संजय यादव, पूजा आचार्य, शशि कुमार मेहता, पंकज कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे

अंतरजनपदीय चोर गिरोह का पदार्फाश, दो गिरफ्तार

चोरी के आभूषण और 2100 रुपये नकद बरामद, दो मुकदमों का पुलिस ने किया अनावरण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरपतहां थाना पुलिस ने चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए अंतरजनपदीय चोर गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से चोरी के आभूषण और नकदी बरामद की है। दोनों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में अपराध नियंत्रण और वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा-निर्देशन, क्षेत्राधिकारी शाहगंज के पर्यवेक्षण और थानाध्यक्ष सरपतहां के नेतृत्व में पुलिस टीम ने थाना सरपतहां में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 286/26 और 287/26 से संबंधित चोरी की घटनाओं का अनावरण किया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों की पहचान हरिकेश पुत्र छोटेलाल, निवासी मरगसन कला मेवपुर, थाना करौंदीकला, जनपद सुल्तानपुर तथा गोविन्दे पुत्र लल्ले, निवासी मेवपुर बरचौली, थाना करौंदीकला, जनपद सुल्तानपुर के रूप में हुई है। चोरी के आभूषण और नकदी बरामद पुलिस ने बताया कि गोविन्दे के कब्जे से सफेद धातु की तीन जोड़ी पायल, एक पायल और 900 रुपये नकद बरामद हुए। वहीं हरिकेश के पास से तीन जोड़ी पायल, पांच जोड़ी बिछिया और 1200 रुपये नकद बरामद किए गए। इस प्रकार दोनों के कब्जे से कुल 2100 रुपये नकद बरामद हुए। पुलिस के मुताबिक गोविन्दे के खिलाफ सरपतहां थाने में चोरी के दो मुकदमों के अलावा गोवध निवारण अधिनियम, पशु क्रूरता अधिनियम और आबकारी अधिनियम के तहत भी मुकदमे दर्ज हैं।

राजकीय महाविद्यालय में माई भारत पोर्टल पंजीकरण और विकसित भारत क्विज को लेकर किया जागरूक!

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब के राजकीय महाविद्यालय जक्खिनी में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में युवाओं को माई भारत पोर्टल पर पंजीकरण और विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2027 मेगा क्विज प्रतियोगिता में अधिक से अधिक सहभागिता के लिए प्रोत्साहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. डॉ. संतोष सिंह ने की। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कैलाश राम ने स्वयंसेवकों और छात्र-छात्राओं को माई भारत पोर्टल पर पंजीकरण के लिए प्रेरित किया और मेगा क्विज की विशेषताओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री का लक्ष्य 15 से 29 वर्ष के युवाओं को इस पोर्टल से जोड़ना है। युवा शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है, यह पोर्टल युवाओं को एक मंच पर जोड़कर नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सराहनीय कदम है। उन्होंने पंजीकरण प्रक्रिया और क्विज में प्रतिभाग की विस्तृत जानकारी दी। प्राचार्य प्रो. डॉ. संतोष सिंह ने युवा शक्ति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अधिक से अधिक प्रतिभाग के लिए प्रेरित किया। इस दौरान प्राध्यापक वेद प्रकाश गुप्ता और डॉ. आनंद सिंह उपस्थित रहे।

युवा महासंघ फाउंडेशन के तरफ से लोगों का हुआ स्वागत

नालासोपारा (उत्तर शक्ति)। नालासोपारा पूर्व 90 फीट रोड ओशी पार्क पर विराजमान गणपति बप्पा का दर्शन करने बहुत बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। उस दौरान समाजसेवी प्रथमेश सिंह तथा दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के पत्रकार आनंद कुमार मिश्रा व बाला बिपिन तिवारी ने गणेश चतुर्थी पर्व पर गणपति बप्पा जी के आशिर्वाद लिए उस शुभ अवसर पर युवा महासंघ फाउंडेशन के पदाधिकारियों के द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। स्वागत में पत्रकार आनंद मिश्रा ने कहा कि यह स्वागत हमारा नहीं है। हमारे अखबार का है। मै सभी पदाधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। वहीं समाजसेवी प्रथमेश सिंह ने कहा कि हम आदिदेव महादेव के सबसे प्रिय पुत्र गणपति बप्पा का स्वागत करते हुए उन्हें प्रणाम करता हूं। हम भगवान गणेश से प्रार्थना करता हूं कि आप प्रति वर्ष पधारें और समाज कल्याण के लिए सभी भक्तों को आशीर्वाद प्रदान करें।

डॉ. रत्नाप्पा कुंभार की जयंती पर सामाजिक न्याय और संविधान की रक्षा का संकल्प

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कचहरी लाइन बाजार रोड स्थित पीडीए भवन, कटघरा में सोमवार को संविधान निर्माता, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं पद्मश्री डॉ. रत्नाप्पा भरमप्पा कुंभार की 117वीं जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने उनके स्वतंत्रता आंदोलन, संविधान निर्माण तथा सामाजिक न्याय के क्षेत्र में किए गए योगदान को याद किया।

मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि डॉ. रत्नाप्पा कुंभार का जीवन मिट्टी से लेकर संविधान तक की प्रेरणादायी यात्रा है। उन्होंने कहा कि गरीब और साधारण परिवार में जन्म लेने के बावजूद डॉ. कुंभार ने शिक्षा हासिल कर स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई और सामाजिक व राजनीतिक जीवन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अरशद खान ने कहा कि डॉ. कुंभार ने कोल्हापुर रियासत के निरंकुश शासन के खिलाफ प्रजापरिषद आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई और वर्ष 1939 में गिरफ्तारी के बावजूद संघर्ष जारी रखा। भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान भी उन्होंने भूमिगत रहकर अंग्रेजों और रियासतों के खिलाफ आंदोलन को आगे बढ़ाया। उनके त्याग और संघर्ष के कारण उन्हें जनता ने देशभक्त की उपाधि दी।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद डॉ. रत्नाप्पा कुंभार संविधान सभा के सदस्य रहे और संविधान निर्माण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बाद में उन्होंने लोकसभा सांसद, महाराष्ट्र विधानसभा सदस्य और मंत्री के रूप में भी कार्य किया। उन्होंने ग्रामीण विकास, सहकारिता, शिक्षा, पंचायती राज तथा सामाजिक कल्याण के लिए उल्लेखनीय कार्य किए।मुख्य अतिथि ने कहा कि डॉ. कुंभार का विचार था कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को सम्मान और अधिकार मिले बिना वास्तविक सामाजिक एकता संभव नहीं है। आज आवश्यकता है कि उनके विचारों को आगे बढ़ाते हुए संविधान, सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष किया जाए।

वक्ताओं ने बताया कि डॉ. रत्नाप्पा कुंभार को उनके सामाजिक एवं राष्ट्रीय योगदान के लिए वर्ष 1985 में भारत सरकार द्वारा पद्मश्री से सम्मानित किया गया। इसी वर्ष सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय ने उन्हें मानद डी.लिट् की उपाधि प्रदान की। उनका निधन 23 सितंबर 1998 को हुआ।कार्यक्रम के आयोजक कैलाश नाथ प्रजापति, प्रदेश सचिव उत्तर प्रदेश प्रजापति महासभा ने कहा कि डॉ. कुंभार का जीवन समाज के वंचित और मेहनतकश वर्गों के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम को अरुण कुमार प्रजापति, कुसुम प्रजापति, विकलेश प्रजापति, चंद्रशेखर प्रजापति, आनंद प्रजापति, राज बहादुर प्रजापति, राजेश वर्मा, प्रेमचंद प्रजापति, सुरेंद्र प्रजापति, महेंद्र प्रजापति, गुड्डू, विजय प्रजापति, संतोष प्रजापति और गप्पू मौर्य ने भी संबोधित किया। अंत में उपस्थित लोगों ने डॉ. रत्नाप्पा कुंभार के बताए मार्ग पर चलने तथा संविधान और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में तेलंगाना को मिलेगा प्रतिनिधित्व

हैदराबाद (उत्तरशक्ति)। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में तेलंगाना को प्रतिनिधित्व मिलेगा। यह विचार गांधी भवन मेट्रो स्टेशन के निकट एक सभागार में आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में एसोसिएशन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष अतुल कपूर ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष देवी प्रसाद गुप्ता ने तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष एफ एम सलीम से इस संबंध में आम सहमति से किसी वरिष्ठ पत्रकार का नाम नामित करने के लिए कहा है। एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस बात के भी संकेत दिए हैं कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी के गठन में इस बात का प्रयास किया जा रहा है कि उत्तर भारत से लेकर दक्षिण भारत तक सभी प्रमुख प्रदेशों का प्रतिनिधित्व हो, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर पत्रकारों का एक सशक्त और प्रभावी संगठन बन सके । ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन तेलंगाना की ओर से सुप्रसिद्ध कवि एवं वरिष्ठ साहित्यकार देव प्रसाद महिला को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। उनकी हिंदी एवं तेलुगु में 30 मौलिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं तथा अन्य भाषाओं में अनुवाद की हुई 21 पुस्तक प्रकाशित हो चुकी हैं।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पत्रकारों को नई तकनीकी जानकारी देने के लिए निकट भविष्य में एक एआई कार्यशाला आयोजित की जाएगी। वरिष्ठ पत्रकार तथा आदाब एशिया न्यूज चैनल के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पत्रकार नईम गौरी को इस कार्यशाला का संयोजक बनाया गया है। तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष एफ एम सलीम ने बैठक में घोषणा की कि वरिष्ठ पत्रकार एवं 'तेलंगाना समाचार' न्यूज चैनल के संपादक के. राजन्ना तेलंगाना प्रदेश के पत्रकारों का प्रतिनिधित्व एसोसिएशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में करेंगे। आम सहमति से उनका नाम प्रस्तावित करके राष्ट्रीय अध्यक्ष देवी प्रसाद गुप्ता को भेजा जा रहा है।

वसई में धूमधाम से गणपति दर्शन और पूजा-अर्चना का माहौल

वसई। गणेशोत्सव के पावन अवसर पर वसई रोड क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। नागरिक एक-दूसरे के घर पहुंचकर श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ भगवान गणेश के दर्शन कर रहे हैं तथा पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। इसी क्रम में उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक के मुंबई रिपोर्टर नरेंद्र सोनी ने अपने मित्र दुर्लभभाई के साथ वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित के निवास पर पहुंचकर गणपति बप्पा के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के घर भी गणपति दर्शन किए। नरेंद्र सोनी ने व्यापारी मित्र मयूर सोनी, नगरसेविका कल्पना नागपुड़े तथा केरल समाज के भाजपा नेता उत्तम कुमार के निवास पर पहुंचकर गणपति बप्पा के दर्शन किए और परिवार के सदस्यों को गणेशोत्सव की शुभकामनाएं दीं। वहीं, भारतीय जनता पार्टी एससी मोर्चा के नेता संदीप करोटिया के निवास पर भी गणपति पूजन एवं आरती का आयोजन हुआ। इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित के साथ लालजी कनोजिया, कल्पेश चौहान, कमलेश मौर्य और संतोष सहित अन्य लोगों ने गणपति बप्पा की पूजा-अर्चना और आरती की। इसके बाद सभी ने प्रसाद ग्रहण कर भगवान गणेश का आशीर्वाद प्राप्त किया। गणेशोत्सव के दौरान जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं, व्यापारियों और नागरिकों के एक-दूसरे के घर पहुंचकर गणपति दर्शन करने से क्षेत्र में आपसी भाईचारे, श्रद्धा और सामाजिक एकता का वातावरण देखने को मिल रहा है।

80 रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स के खिलाफ राजन नाइक ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

वसई-विरार। शहर के 80 से अधिक रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स में निर्माण कार्य, ओसी और दस्तावेजों के रजिस्ट्रेशन पर रोक से रहिवासियों, निवेशकों और सोसायटियों में चिंता है। इसे लेकर नालासोपारा के भाजपा विधायक राजन नाइक ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर प्रभावित लोगों को राहत देने की मांग की। विधायक के अनुसार, मुख्यमंत्री ने मामले में सकारात्मक जवाब दिया है। राजन नाइक ने कहा कि कई प्रोजेक्ट्स को पूर्व नियमों के तहत महानगरपालिका की मंजूरी, स्वीकृत नक्शे, सीसी और महारेरा की मंजूरी मिल चुकी थी। रहिवासियों ने मकान खाली कर किराए के घर लिए, जबकि नागरिकों और निवेशकों ने भी इनमें निवेश किया है। कई प्रोजेक्ट्स को बैंकों और वित्तीय संस्थाओं से फाइनेंस मिला है। निर्माण कार्य रुकने से एक हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश पर असर पड़ने की आशंका है। विधायक ने मुख्यमंत्री से मामले को मानवीय और व्यावहारिक दृष्टिकोण से देखते हुए निर्माण, ओसी और रजिस्ट्रेशन संबंधी अड़चनें दूर कर प्रभावित लोगों को राहत देने की मांग की।

जौनपुर पहुंची Gen Z Connect Yatra युवाओं ने उठाए रोजगार और शिक्षा के मुद्दे

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जस्टिस मोर्चा की Gen Z Connect Yatra अपने 27वें दिन जौनपुर पहुंची। त्रिलोचन से सिरकोनी होते हुए यात्रा शहर में दाखिल हुई। रास्ते में छात्रों, युवाओं और स्थानीय लोगों से संवाद कर रोजगार, शिक्षा, पेपर लीक, निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था और सरकारी स्कूलों की बदहाल स्थिति जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। यात्रा के दौरान टीम ने मार्ग में पड़ने वाले सरकारी स्कूलों की स्थिति का भी जायजा लिया। जौनपुर शहर पहुंचने पर गांधी पार्क में सैकड़ों लोगों ने यात्रा का स्वागत किया। विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं और नागरिकों ने युवाओं की इस पहल का समर्थन किया।

गांधी पार्क से यात्रा अंबेडकर पार्क पहुंची, जहां युवाओं ने जय भीम के नारों के साथ पेपर लीक, चंदा चोरी और सरकारी स्कूलों की स्थिति जैसे मुद्दे उठाए। युवाओं ने कहा कि परीक्षा व्यवस्था में अनियमितताओं का खामियाजा मेहनत करने वाले छात्रों को भुगतना पड़ता है। उन्होंने पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की मांग की। इसके बाद यात्रा कचहरी, सद्भावना पुल, छरछू चौराहा, शाही पुल और तिलकधारी सिंह कॉलेज होते हुए आगे बढ़ी। जगह-जगह पर्चे बांटकर और जनसभाओं के माध्यम से युवाओं से संवाद किया गया।

जस्टिस मोर्चा के प्रतिनिधियों ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य युवाओं की वास्तविक समस्याओं और आकांक्षाओं को सुनकर उन्हें साझा मंच देना है। उन्होंने कहा कि युवा नौकरी, बेहतर शिक्षा और निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे हैं। यात्रा में विकेश उपाध्याय (कांग्रेस), हिमांशु तिवारी (बीआरएस), अनुराग राय, संदीप सोनकर (आईवाईसी), अमरजीत (प्रगतिशील मानव समाज पार्टी), शिराज सहित अन्य लोग शामिल रहे। प्रियेश, रजत, शांतनु, अवनीश, नीरज, राजू और विवेक समेत बड़ी संख्या में युवा यात्री मौजूद रहे। आयोजकों के अनुसार यात्रा जौनपुर से आगे प्रयागराज, प्रतापगढ़ और रायबरेली होते हुए 2 अक्टूबर को लखनऊ पहुंचेगी, जहां इसका समापन होगा।

दो दिवसीय गणेश चतुर्थी महोत्सव का समापन, महाआरती व भजनों में दिखी आस्था

चिराना। कस्बे में सीकर रोड पर स्थित श्री ऋण विमोचन श्रीं गणेश एवं बालाजी मंदिर में श्री गणेश सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय गणेश चतुर्थी महोत्सव का समापन हो गया है। रविवार शाम को पंडित आचार्य रवि कुमार पारीक के मंत्रोच्चारण के साथ सर्व मंगल कामना के लिए हवन किया गया जिसमें उपस्थित ग्रामीणों ने हवन में सैंकड़ों आहुतियां दी। गणेश चतुर्थी के अवसर पर सोमवार को सुबह भगवान गणेश का पंडित प्रदुम्न गौतम के मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत दुग्धाभिषेक किया गया। भव्य श्रृंगार के साथ दर्शन के लिए सैकड़ों दर्शनार्थी आए जो सुबह से लेकर देर शाम तक भक्तों का तांता लगा रहा। इस बार विशेषतौर पर मंदिर में मेंहदी वितरण का कार्यक्रम भी रहा, जो अपनी मुरीद पूरी होते देख देर शाम तक चलता रहा, साथ में प्रसाद वितरण भी किया गया । शाम को 21 दीपों से महाआरती कि गई। रात्रि में भजन गायकी में मुख्य आकर्षण का केंद्र बाल कलाकार जानकी लाल रहा,जसकी सभी मुग्ध कंठ से प्रशंसा की।छोटी पर गायकी में दमदार अजमेरी लाल एवं पार्टी के द्वारा एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किए गए जसक आनंद भजनो में पधारे सैंकड़ों महिलाएं एवं पुरुषों लिया। समिति के द्वारा इस अवसर पर पधारें हुए कलाकारों की कला का सम्मान करते हुए उन्हें दुपट्टा व मोमेंटो भेंट कर उनका मान बढ़ाया / मंच पर सम्मान किया गया। इस दौरान समिति के संरक्षक डॉ राजेन्द्र कुमावत,अध्यक्ष बजरंग लाल सैनी,डॉ प्रताप राम कुमावत,कोषाध्यक्ष चेतन कुमावत,संतोष शर्मा, पुजारी चंद्रपाल शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता अनील बारी,मदन कुमावत, भवानी सिंह शेखावत, महेश कुमावत,अभिषेक, यशपाल कुमावत,राकेश कुमावत,कैलाश सैनी सहित समिति के कार्यकर्ता व सैंकड़ों ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

पुलिस सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर 2001 बैच के इंस्पेक्टर/सीओ ने मनाई सिल्वर जुबली वर्षगांठ!

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद जोन और प्रयागराज जोन में नियुक्त 2001 बैच के उत्तर प्रदेश पुलिस के उप निरीक्षकों ने पुलिस सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर अपनी सिल्वर जुबली वर्षगांठ वाराणसी में बड़ी धूमधाम से मनाया।

इस बैच के उप निरीक्षक वर्तमान में निरीक्षक और कुछ पुलिस उपाधीक्षक के पद पर आउट ऑफ टर्न प्रमोशन पाकर सेवा प्रदान कर रहे हैं।

कार्यक्रम में वाराणसी जोन अंतर्गत आने वाले कमिश्नरेट वाराणसी ,चंदौली ,भदोही, मिजार्पुर, सोनभद्र, गाजीपुर,मऊ ,बलिया, आजमगढ़, जौनपुर जनपद , वाराणसी में स्थित एसटीएफ ,एटीएस, विजिलेंस , आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन, एंटी करप्शन, स्पेशल ब्रांच और अभिसूचना इकाई आदि के निरीक्षकगण , प्रयागराज जोन और इन जनपदों के पुलिस विभाग के विभिन्न शाखाओं में नियुक्त एवं कार्यरत 2001 बैच के लोगों ने प्रतिभाग किया।

उपस्थित बैचमेट दशकों बाद अपने साथियों को देखकर भाव विभोर हो गए और एक दूसरे से गले मिलकर ढोल नगाड़ों और पुष्पों से स्वागत करते हुए पुलिस सेवा के सिल्वर जुबली वर्षगांठ की बधाईया और शुभकामनाएं दी। इन लोगों ने अपने पुलिस ट्रेनिंग सेंटर से लेकर अब तक के यादों को बड़ी ही सजीदगी से जीवंत करते हुए गीत संगीत और शायरियों से माहौल को गुलजार और खुशनुमा बनाए रखा।

उपस्थित लोगों ने पुलिस सेवा के दौरान प्राप्त अनुभवों पर अपने-अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम की शुरूवात में सभी ने अपने बैच के दिवंगत साथियों को याद कर कुछ पल के लिए मौन रहकर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान सिल्वर जुबली का केक काटा और सभी को अंगवस्त्रम और स्मृति चिह्न भेंट की।

गणेश चतुर्थी उत्सव पर्व पर संजय पाण्डेय ने दी शुभकामनाएं

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी उत्तर भारतीय मोर्चा महाराष्ट्र के दो बार के प्रदेश अध्यक्ष एवं 2022 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के प्रवासी प्रभारी रहे वरिष्ठ भाजपा नेता संजय पाण्डेय ने गणेश चतुर्थी पर्व पर महाराष्ट्र के सभी प्रदेशवासियों समेत देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दिया है साथ ही कहा की गणपति बप्पा का आशीर्वाद आप सभी पर सदैव बना रहे, संजय पाण्डेय के ओबेरॉय स्प्रिंग, विधानसभा वसोर्वा, अंधेरी पश्चिम स्थित आवास पर भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा महाराष्ट्र के लोकप्रिय मा. प्रदेश उपाध्यक्ष अमित त्रिपाठी 'डाक्टर' द्वारा गणेश चतुर्थी पर्व पर गणपति बप्पा जी के आशीर्वाद के साथ ही अपने राजनैतिक गुरुजी संजय पाण्डेय का भी आशिर्वाद प्राप्त किया गया, भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के माझी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ओमप्रकाश तिवारी, नवी मुंबई जिलाध्यक्ष राजेश राय भी उपस्थित रहे।

यूजीसी के नए कानून के विरोध में सड़क पर उतरा सवर्ण समाज

शाहगंज में योगी तिराहा से तहसील तक निकाली विरोध यात्रा, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के शाहगंज कस्बे में यूजीसी के नए कानून के विरोध में सवर्ण समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में लोग योगी तिराहा पर एकत्र हुए और हाथों में तख्तियां लेकर नारेबाजी करते हुए विरोध यात्रा निकाली। विरोध यात्रा योगी तिराहा से शुरू होकर शाहगंज तहसील मुख्यालय पहुंची। प्रदर्शनकारियों ने यूजीसी के नए कानून के साथ-साथ आरक्षण व्यवस्था से जुड़ी अपनी मांगों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने सरकार से अपनी चिंताओं पर गंभीरता से विचार करने और व्यवस्था में आवश्यक बदलाव की मांग की। तहसील मुख्यालय पहुंचने के बाद प्रदर्शनकारियों ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से यूजीसी के नए कानून को लेकर अपनी आपत्तियां और विभिन्न मांगें प्रशासन के समक्ष रखीं। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई की अपील की। विरोध यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी और नारेबाजी से शाहगंज में सवर्ण समाज का आक्रोश सामने आया। अब ज्ञापन पर प्रशासन और सरकार की ओर से होने वाली कार्रवाई पर प्रदर्शनकारियों की नजर है।

ड्रायडॉक्स वर्ल्ड और कोचीन शिपयार्ड की साझेदारी

मुंबई। डीपी वर्ल्ड की कंपनी ड्रायडॉक्स वर्ल्ड और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) ने आज कोचीन स्थित इंटरनेशनल शिप रिपेयर फैसिलिटी (आईएसआरएफ) के संचालन और विस्तार के लिए संयुक्त उपक्रम समझौते पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। इस समझौते पर कैप्टन राडो एंटोलोविक, पीएचडी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ड्रायडॉक्स वर्ल्ड और जोस वी. जे., अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने नई दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 के दौरान हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर सबानंद सोनोवाल, केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री (एमओपीएसडब्ल्यू) तथा महामहिम ओमरान शरीफ अलहाशिमी, संयुक्त अरब अमीरात के उन्नत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मामलों के सहायक विदेश मंत्री उपस्थित रहे। यह समझौता ड्रायडॉक्स वर्ल्ड (डीडब्ल्यू) और सीएसएल के बीच इंडिया मैरीटाइम वीक 2025 के दौरान हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर आधारित है। इसके तहत दोनों संगठनों ने जहाज मरम्मत और उससे संबंधित समुद्री सेवाओं के क्षेत्र में सहयोग के अवसर तलाशने पर सहमति जताई थी। अब दोनों कंपनियों ने 50:50 के संयुक्त उपक्रम के माध्यम से इस सहयोग को औपचारिक रूप दे दिया है। यह भारत के जहाज मरम्मत क्षेत्र में अपनी तरह की पहली सार्वजनिक-निजी भागीदारी की स्थापना का प्रतीक है। इस व्यवस्था के तहत संयुक्त उपक्रम कोचीन स्थित इंटरनेशनल शिप रिपेयर फैसिलिटी (आईएसआरएफ) का संचालन, समेकन और विस्तार करेगा। इससे विभिन्न प्रकार के जहाजों की मरम्मत के लिए अतिरिक्त क्षमता विकसित होगी और भारतीय, क्षेत्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकेगा।

परंपरा से तकनीक तक, काशी-तमिलनाडु को जोड़ रहा संगमम

0-आईआईटी मद्रास निदेशक बोले—काशी तमिल संगमम एक भारत, श्रेष्ठ भारत की जीवंत तस्वीर, शिक्षा से संस्कृति तक मजबूत हो रहे रिश्ते

0-वाराणसी के गुलाबी मीनाकारी और लकड़ी के खिलौनों को डिजिटल पहचान देने की पहल एआई और ब्लॉकचेन से बनेगी कारीगरों व जीआई उत्पादों की डिजिटल रजिस्ट्री क्यूआर कोड से ग्राहक जान सकेंगे उत्पाद की असलियत और शिल्पकार की पहचान

-सुरेश गांधी

चेन्नई। काशी और तमिलनाडु के बीच रिश्ता केवल आस्था और संस्कृति का नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से चली आ रही ज्ञान, परंपरा और जीवन-दृष्टि का भी है। गंगा के घाटों से लेकर तमिल भूमि की सांस्कृतिक धरती तक फैले इस आत्मीय संबंध को आधुनिक भारत में नई भाषा और नई दिशा देने का काम काशी तमिल संगमम कर रहा है। कभी यात्राओं, संतों और विद्वानों के माध्यम से जुड़े उत्तर और दक्षिण अब शिक्षा, तकनीक, संस्कृति और नवाचार के आधुनिक सेतु से भी जुड़ रहे हैं।

आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामकोटि ने पीआईबी के प्रेस टूर के तहत वाराणसी से आए पत्रकारों से बातचीत में कहा कि काशी तमिल संगमम एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना का सशक्त उदाहरण है। इस पहल ने देश के दो महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और ज्ञान केंद्रों को एक-दूसरे के और करीब लाने के साथ संवाद और सहयोग के नए रास्ते खोले हैं। उन्होंने कहा कि काशी और तमिलनाडु का संबंध केवल धार्मिक यात्राओं या सांस्कृतिक आदान-प्रदान तक सीमित नहीं है। दोनों क्षेत्रों के बीच ज्ञान की लंबी परंपरा रही है। काशी तमिल संगमम ने इस ऐतिहासिक जुड़ाव को आधुनिक भारत के संदर्भ में पुनर्जीवित करने का अवसर दिया है। अलग-अलग भाषाओं और संस्कृतियों के लोग जब एक-दूसरे की परंपराओं को करीब से समझते हैं तो विविधता के प्रति सम्मान और राष्ट्रीय एकता की भावना और मजबूत होती है।

प्रो. कामकोटि ने कहा कि आईआईटी मद्रास भी इसी व्यापक सोच के साथ शिक्षा और तकनीक को देश के हर हिस्से तक पहुंचाने का प्रयास कर रहा है। ठढळएछ और बीएस कार्यक्रमों के माध्यम से देश के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा से जोड़ने की कोशिश की जा रही है।उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक ने शिक्षा की भौगोलिक सीमाओं को काफी हद तक समाप्त कर दिया है। अब विद्यार्थी किसी एक शहर या संस्थान तक सीमित नहीं हैं। तकनीक के माध्यम से देश के दूर-दराज के हिस्सों तक ज्ञान पहुंच सकता है और प्रतिभा को अवसर मिल सकता है।स्कूल स्तर पर विज्ञान और तकनीक के प्रति रुचि पैदा करने की जरूरत पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों में कम उम्र से ही वैज्ञानिक सोच, प्रयोग करने की आदत और नवाचार की प्रवृत्ति विकसित होनी चाहिए। इसके साथ ही कोर इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों पर ध्यान देकर विद्यार्थियों की बुनियादी तकनीकी समझ और व्यावहारिक कौशल को मजबूत किया जा रहा है।

सैमसंग गैलेक्सी S26 FE भारत में लॉन्च

मुंबई। सैमसंग इंडिया ने आज गैलेक्सी S26 FE के लॉन्च की घोषणा की। यह गैलेक्सी S26 फैमिली का नया सदस्य है, जिसे उन फीचर्स को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जो यूजर्स के लिए सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। इस स्मार्टफोन में बेहतर कैमरा एक्सपीरियंस, कॉन्टेक्स्ट-अवेयर गैलेक्सी एआई, दमदार डेली परफॉर्मेंस और वन यूआई 9 एक साथ मिलते हैं। गैलेक्सी S26 FE में 6.7-इंच डायनेमिक एमोलेड 2 डिस्प्ले है, जिसका रिफ्रेश रेट 120Hz तक जाता है। इसमें एक्सीनॉस 2500 प्रोसेसर, 4900mAh की बैटरी और एक वर्सेटाइल ट्रिपल रियर कैमरा सिस्टम भी है। यह सब कुछ एक स्लिम और रिफाइंड डिजाइन में है। गैलेक्सी S26 FE भारत में 8GB और+ 256GB स्टोरेज वेरिएंट के साथ 79,999 रुपये की कीमत में उपलब्ध है। इसे तीन आकर्षक रंगों—पिस्ताचियो, ब्लूबेरी और ग्रेफाइट में खरीदा जा सकता है।

सैमसंग इंडिया में एमएक्स बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट आदित्य बब्बर ने कहा, गैलेक्सी S26 FE को इस सोच के साथ बनाया गया है कि भारत में ज्यादा से ज्यादा लोगों तक गैलेक्सी का बेहतरीन अनुभव पहुंचे। इसमें ऐसे इनोवेशन हैं, जो लोगों के जीने, काम करने और कुछ नया बनाने के तरीके से जुड़े हैं। फ्लैगशिप कैमरा क्षमताओं, कॉन्टेक्स्ट-अवेयर गैलेक्सी एआई और दमदार परफॉर्मेंस के साथ, हमने एक सोच-समझकर डिजाइन किए गए स्मार्टफोन में वे सारे अनुभव जोड़े हैं, जिन्हें ग्राहक सबसे ज्यादा अहमियत देते हैं। गैलेक्सी S26 FE में 50MP वाइड, 12MP अल्ट्रा-वाइड और ३७ ऑप्टिकल जूम वाला 8MP टेलीफोटो रियर कैमरा दिया गया है, साथ ही 12MP का फ्रंट कैमरा भी मौजूद है। इसमें पहली बार शामिल किया गया 'माय फैनकैम' फीचर सब्जेक्ट के हिलने पर भी उसे फ्रेम के सेंटर में रखता है।

तत्सत सेवा संस्थान द्वारा समाजसेवियों व शिक्षकों का किया गया भव्य सम्मान

-आचार्य सूरजपाल यादव

सीतापुर। सुप्रसिद्ध सामाजिक संस्था तत्सत सेवा संस्थान की ओर से साई गेस्ट हाउस में वृहद सम्मान समारोह आयोजित किया गया। संस्था के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक अभय श्रीवास्तव के नेतृत्व में आयोजित समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजसेवियों, कलाकारों एवं शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। मुख्य अतिथि नगर विकास राज्यमंत्री राकेश राठौर गुरु रहे। विशिष्ट अतिथियों में नगर पालिका अध्यक्ष नेहा अवस्थी, अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लोकगायिका एवं सुरताल संगम लखनऊ की निदेशक डॉ. जया श्रीवास्तव, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला, मानस मेला समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष विश्वम्भर दयाल तिवारी, राजा टोडरमल स्मारक समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय पुरी, मेडिकल एसोसिएशन जिलाध्यक्ष गोपाल टंडन तथा राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित सेवानिवृत्त शिक्षक अशोक प्रजापति सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। नगर पालिका अध्यक्ष नेहा अवस्थी ने कहा कि समाजसेवियों और भारतीय संस्कृति के संरक्षण में योगदान देने वाले कलाकारों का सम्मान सराहनीय पहल है। राज्यमंत्री राकेश राठौर ने कहा कि समाज व संस्कृति के प्रति समर्पित प्रतिभाओं का सम्मान करना सभी का दायित्व है। कार्यक्रम में डॉ. जया श्रीवास्तव ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। अनूप निषाद, नाहिद नाज, सुरेंद्र सिंह व यशवी चौरसिया ने गीत प्रस्तुत किए, जबकि मंजर यासीन व एकता गुप्ता ने शिक्षकों के सम्मान में काव्य पाठ किया। इस अवसर पर अशोक प्रजापति, के.बी. श्रीवास्तव, पंकज पांडेय, नदीम सीतापुरी, तनवीर इकबाल बिसवानी, राज शर्मा, अजय श्रीवास्तव, नैमिष रतन तिवारी, हिमांशी रस्तोगी, सीमा श्रीवास्तव सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों को सम्मानित किया गया। अतिथियों का स्वागत अनूप निषाद, यासीन इब्ने उमर, नाहिद नाज और हिमांशी रस्तोगी ने किया। अंत में संस्था अध्यक्ष अभय श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

चेतरिया निवासी श्रीमती दुर्गावती तिवारी का प्रथम पुण्यतिथि 20 को

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश जनपद जौनपुर , थाना मुंगरा बादशाहपुर, पोस्ट पवांरा बजार , ग्राम चेतरिया (बनकट) निवासी श्रीमती दुर्गावती कमला तिवारी का पुण्यतिथि पर ब्रम्हभोज 20 सितंबर 2026 दिन रविवार को विरार पूर्व में शुभ मंगल हॉल मनवेल पाड़ा, एम नारिया हाऊस विष्णु विहार कम्प्लेक्स, कारगिल नगर विरार पूर्व में आयोजित किया गया है। दैनिक उत्तरशक्ति के सहयोगी जगदीश माताशरन तिवारी की काकी (मौसी) थी। बड़े भाई राजेन्द्र तिवारी, जगदीश तिवारी, राकेश तिवारी , नाती राजेश तिवारी (अफसर तिवारी), मनोज तिवारी, सुरज तिवारी, अभिषेक तिवारी, अवनीश तिवारी (आम्बुज), संतोष तिवारी (चंचल), रामचंद्र त्रिपाठी (कल्लू), रमाजीत तिवारी (भुअर तिवारी), जयप्रकाश, सुरेश, दिनेश तिवारी, रमेश तिवारी , संजय तिवारी , मुन्ना भाई तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार मुकेश त्रिपाठी सहित सभी लोगों ने प्रार्थना किया है कि ठीक समय पर पधार कर श्रद्धांजलि अर्पित करें।

संविधान के साथ छेड़छाड़ करने वालों को कभी माफ न करना डॉ. रत्नप्पा के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि: संजय सिंह

शाहगंज, जौनपुर। संविधान सहनिर्माता एवं पद्मश्री डॉ. रत्नप्पा कुम्भार जी की 117 वीं जयंती समारोह का आयोजन मंगलवार को क्षेत्र के सराय मोहिउद्दीनपुर स्थित एक हाल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. लालमणि प्रजापति ने डॉ रत्नप्पा कुम्भार जी और महाराजा दक्ष प्रजापति के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा- अर्चना करके किया। समारोह में डॉ. रत्नप्पा के विचारों और उनकी शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में समाज के उत्थान पर बल दिया गया। कार्यक्रम में भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

समारोह के मुख्य अतिथि आप पार्टी के राज्य सभा सांसद संजय सिंह रहे। श्री सिंह ने कहा कि संविधान के साथ छेड़छाड़ करने वालों को कभी माफ नहीं करना। यही रत्नप्पा के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। यही प्रजापति समाज के कार्यक्रम का उद्देश्य है। उन्होंने बच्चों की शिक्षा पर जोर दिया। राज्यसभा सांसद ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री बिना टेलीप्रॉम्पटर के वंदे मातरम सुना देंगे तो राजनीति छोड़ देंगे। देश किसी मोदी-योगी के फरमान से नहीं बल्कि संविधान से चलेगा। भाजपा की सरकार संविधान

को समाप्त करना चाहती है। मंदिर-मस्जिद, हिंदू मुस्लिम की राजनीति का आरोप लगाया। कहा कि लोगों को लड़ाने वाली भारतीय जनता पार्टी का नाम भारतीय झगड़ा पार्टी कर देना चाहिए। 26 हजार स्कूल बंद हो गए जिससे गरीब शिक्षा से वंचित हुए। सांसद ने स्कूल, सड़क, अस्पताल रोजगार तो लूट ही लिया शर्मनाक तो यह है कि भाजपा की सरकार ने प्रभु श्री राम का मंदिर भी लूट लिया। वह ऐसी सरकार है जिसने भगवान को भी नहीं छोड़ा। राम नाम जपना पराया माल अपना भाजपा का एक ही नारा है। उन्होंने सरकार पर भगवान की चरण पादुका, सोने की रामचरितमानस, सोने की हार, चांदी की ईंट को लूटने का आरोप लगाया। प्रशासन द्वारा कार्यक्रम में व्यवधान उत्पन्न करने पर प्रशासन पर सवाल उठाया। युवाओं और बेरोजगार लोगों को रोजी-रोटी के लिए आंदोलन के लिए विवश होना पड़ रहा है। कहा कि यह सरकार दादागिरी करके मुकदमा दर्ज करके जेल भेज कर डरा रही है। उन्होंने नाराज फूफा पर मोदी के ऊपर तंज कसा। कहा कि युवाओं को नौकरी और रोजगार मांगने पर सरकार नाराज फूफा कहती है। विशिष्ट अतिथि सपा के पूर्व ऊर्जा राज्य मंत्री शैलेंद्र यादव ललई ने कहा कि डॉ रत्नप्पा के देश के लिए किए गए योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। पीडीए समाज को आरक्षण दिलाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। कहा कि केवल पुष्पांजलि अर्पित करने से ही जयंती मनाने का उद्देश्य पूर्ण नहीं होगा। इसके लिए उनके विचारों पर हमें चलना होगा। विशिष्ट अतिथि प्रजापति महासभा जौनपुर के अध्यक्ष एवं पूर्व शासकीय अधिवक्ता सुरेन्द्र प्रजापति ने कहा कि प्रजापति समाज के हितों और अधिकारों की हर संभव लड़ाई जारी रहेगी। । डॉ लालमणि प्रजापति ने अध्यक्षता की। कार्यक्रम के आयोजक विनोद प्रजापति एवं मनोज प्रजापति ने संपूर्ण प्रजापति समाज की तरफ से अतिथियों एवं आगंतुकों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समय-समय पर प्रजापति समाज को मजबूत दिलाने के लिए आयोजित होते रहेंगे।

मनपा आयुक्त राधाविनोद शर्मा के निवास पर गणपति बप्पा के दर्शन

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर महानगरपालिका के मनपा आयुक्त एवं प्रशासक राधाविनोद अ. शर्मा के पारिजात आवास पर विराजमान गणपति बप्पा के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर पत्रकार बंधुओं के साथ गणपति बप्पा का दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की गई तथा सभी के सुख, समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की गई। गणेशोत्सव के पावन अवसर पर आयुक्त राधाविनोद शर्मा के निवास पर भक्तिमय वातावरण देखने को मिला।

मीरारोड के दुर्गा भवन में विराजमान हुए गणपति बप्पा

मुंबई। विघ्नहर्ता एवं मंगलकर्ता भगवान श्री गणेश जी के पावन उत्सव के प्रथम दिवस पर उद्योगपति एवं समाजसेवी संजय मिश्रा के मीरारोड (पूर्व), मुंबई स्थित आवास दुर्गा भवन में गणपति बप्पा का पूरे परिवार के साथ विधि-विधान एवं श्रद्धापूर्वक स्वागत किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन-अर्चन कर भगवान श्री गणेश जी से सुख, शांति, समृद्धि एवं सर्वकल्याण की प्रार्थना की गई। संध्या समय आयोजित भव्य भजन संध्या में प्रसिद्ध कलाकारों ने अपनी मनमोहक भक्ति प्रस्तुतियों से पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। जौनपुर की प्रसिद्ध गायिका श्रेया यादव, दूरदर्शन के भजन गायक अनिल राज (प्रतापगढ़), मंच उद्घोषक राकेश भोले तिवारी तथा रवि पंडित एवं राकेश की म्यूजिक टीम ने एक से बढ़कर एक भक्ति गीत प्रस्तुत कर उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। इस अवसर पर उपस्थित सभी कलाकारों एवं श्रद्धालुओं ने भगवान गजानन का पूजन-अर्चन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। गणपति बप्पा के दर्शन एवं भजन संध्या में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम में अनिल कुमार मिश्रा, ब्रह्मदेव पाण्डेय, सैयद अफरीन हुसैन (नेता प्रतिपक्ष, महानगर पालिका एवं नगरसेवक, मीरा-भायंदर), प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल (अध्यक्ष, श्री रामलीला उत्सव समिति, विक्रोली), कैलाश मिश्रा, राहुल मिश्रा, पत्रकार आदेश मिश्र, संतोष मिश्रा, राजेश मिश्रा, जितेश पाण्डेय, कपिल तिवारी, शैलेश मिश्रा, कमलेश मिश्रा, सर्वेश मिश्रा, संदीप दुबे, मृत्युंजय पाठक, पंकज पाण्डेय, नीरज पाण्डेय, गौरी शंकर मिश्रा, सोनू दुबे, आकाश उपाध्याय, प्रवीण भाई (आर्किटेक्ट, मुंबई), कुनाल मिश्रा सहित हजारों गणेश भक्त उपस्थित रहे।

एक्सिजेन आईवीएफ ने पनवेल में खोला नया फर्टिलिटी सेंटर

पनवेल। एक्सिजेन आईवीएफ ने आज महाराष्ट्र के पनवेल में अपने नए 5,000 वर्ग फुट के फर्टिलिटी सेंटर की शुरूआत की घोषणा की। नवी मुंबई, रायगड और आसपास के इलाकों में गुणवत्तापूर्ण फर्टिलिटी उपचार की पहुंच बढ़ाने की दिशा में यह कंपनी का एक और कदम है। यह नया केंद्र एक्सिजेन आईवीएफ के विज्ञान आधारित फर्टिलिटी उपचार मॉडल को दशार्ता है। यहां अत्याधुनिक भ्रूणविज्ञान, पूरी जांच सुविधाएं, हर मरीज के हिसाब से बनी उपचार प्रक्रिया, डिजिटल प्रयोगशाला प्रणालियां और मरीजों को जानकारी देने की व्यवस्था, सब एक ही छत के नीचे हैं। केंद्र की पूरी रूपरेखा गुणवत्ता, पारदर्शिता और क्लिनिकल गवर्नेंस को ध्यान में रखकर बनाई गई है। इसका लक्ष्य नवी मुंबई, रायगड और आसपास के इलाके में प्रमाण आधारित फर्टिलिटी उपचार की पहुंच बढ़ाना है। पनवेल केंद्र की एक खास बात है भरत दफ्तारी नॉलेज सेंटर (बीडीकेसी)। नवी मुंबई और रायगड क्षेत्र में यह अपनी तरह का पहला इमर्सिव आईवीएफ नॉलेज सेंटर है। इसे इस तरह तैयार किया गया है कि मरीज इंटरैक्टिव और तकनीक आधारित तरीकों से सीखते हुए प्रजनन क्षमता, आईवीएफ उपचार और प्रजनन स्वास्थ्य को समझ सकें। पनवेल केंद्र में फर्टिलिटी परामर्श और अत्याधुनिक जांच सुविधाएं मिलती हैं, और इन सबके मूल में है एक अत्याधुनिक भ्रूणविज्ञान प्रयोगशाला। इस प्रयोगशाला को सटीकता, एकरूपता और मरीज की सुरक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इस शुरूआत पर एक्सिजेन आईवीएफ के फाउंडर, चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. गौतम दफ्तारी ने कहा, पनवेल में विस्तार का मकसद यही है कि नवी मुंबई और आसपास के इलाकों के परिवारों तक अच्छी गुणवत्ता का फर्टिलिटी उपचार ज्यादा आसानी से पहुंचे। हमने परामर्श, जांच, भ्रूणविज्ञान, इलाज और मरीजों को जानकारी देना, सब एक ही छत के नीचे ला दिया है, और इन सबके पीछे आधुनिक तकनीक और क्लिनिकल प्रणालियां हैं।

धामनकर नाका मित्र मंडल का शुभारंभ वृद्धाश्रम के बुजुर्गों के दर्शन से शुरू

भिवंडी। भिवंडी शहर में एकता के राजा के रूप में प्रसिद्ध धामणकर नाका मित्र मंडल के भव्य सार्वजनिक गणेशोत्सव का दर्शन समारोह धूमधाम से शुरू हुआ। समारोह का शुभारंभ जिले के सहकारिता क्षेत्र के वरिष्ठ नेता आर.सी. पाटिल ने नारियल फोड़कर किया। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त डॉ. पवन बनसोड तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के भिवंडी जिला संघचालक नरेश मारू प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। समारोह की विशेषता यह रही कि पड़घा स्थित मातोश्री वृद्धाश्रम के बुजुर्ग माता-पिता को गणपति बप्पा के प्रथम दर्शन का सम्मान दिया गया। इस अवसर पर सहायक पुलिस आयुक्त सचिन सांगले, मिलिंद शिंदे, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विनोद पाटिल, प्रभाग समिति क्रमांक-3 के सहायक आयुक्त नितेश चौधरी, आरएसएस पदाधिकारी एडवोकेट मनोज रायचा, विजय बल्लाळ, बलराज दोड्डी, विश्व हिंदू परिषद के दादा गोसावी, वैभव महाडिक तथा इस्कॉन मंदिर के सुदाम प्रभु दास सहित बड़ी संख्या में गणेशभक्त उपस्थित रहे। आर.सी. पाटिल ने कहा कि भिवंडी में सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की आवश्यकता के बीच शुरू हुआ यह गणेशोत्सव आज सभी के लिए प्रेरणादायी बन रहा है। वहीं, पुलिस उपायुक्त डॉ. पवन बनसोड ने नागरिकों से अपील की कि त्योहार का आनंद लेते समय इस बात का ध्यान रखें कि दूसरों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।कार्यक्रम के प्रारंभ में मंडल अध्यक्ष संतोष शेट्टी तथा पदाधिकारियों हसमुख पटेल, दिलीप पोद्दार, राजेश शेट्टी, राकेश पटवारी और संतोष जंपाल ने अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान अतिथियों के हाथों वृद्धाश्रम को दवाइयां और ध्वनि प्रणाली भेंट की गई। गणेशभक्तों की सुरक्षा के लिए मंडल परिसर में लगाए गए 22 सीसीटीवी कैमरों के प्रक्षेपण का शुभारंभ भी पुलिस उपायुक्त डॉ. पवन बनसोड के हाथों किया गया। मंडल के आयोजन में सक्रिय योगदान देने वाले शहाबुद्दीन शेख, सईद वायरमैन और इब्राहिम भाई का सम्मान भी किया गया। समारोह से पहले स्थानीय नृत्य अकादमी के विद्यार्थियों ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। वहीं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीक के माध्यम से तैयार की गई विशेष वीडियो प्रस्तुति में गणपति बप्पा के व ?हाळ तालाब से सड़क मार्ग से मंडप तक पहुंचने का दृश्य दिखाया गया, जिसे गणेशभक्तों ने उत्साह के साथ दर्शन किया।

एयर इंडिया ने सेल्सफोर्स के एजेंटफोर्स की मदद से कस्टमर सर्विस को बेहतर बनाया

मुंबई। नं. 1 ए.आई सी. आर. एम, सेल्सफोर्स ने आज घोषणा करके बताया कि एयर इंडिया अपनी कस्टमर सेवा में एजेंटफोर्स के इस्तेमाल को बढ़ा रहा है। एयर इंडिया अपनी प्रारंभिक रिफंड-प्रोसेसिंग के अलावा अन्य सेवाओं में ए.आई एजेंट का इस्तेमाल करके कस्टमर सेवा को बेहतर बना रहा है। यह इंटैलिजेंट एवं एंड-टू-एंड अनुभव संभव बना रहा है, जिसमें एजेंट ग्राहक की इच्छा को समझते हैं, निवेदनों की पुष्टि करते हैं और एंटरप्राईज के सिस्टम्स में समझदारी से कनेक्ट हो जाते हैं। इस प्रकार हाथों-हाथ कार्रवाई संभव होती है। एजेंटफोर्स रिजॉल्यूशन में तेजी लाता है, ग्राहकों के अनुभव को सुगम बनाता है और व्यापक स्तर पर स्मार्ट सेवा संभव बनाता है, जिससे एयर इंडिया को अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने और भविष्य का एजेंटिक एयरलाईन बनने में मदद मिलेगी।

यह विस्तार एयर इंडिया द्वारा अपने रिफंड प्रोसेसिंग के लिए एजेंटफोर्स के प्रारंभिक इस्तेमाल के बाद किया गया है, जो एयरलाईन ऑपरेशंस में सबसे अधिक जटिल सेवा प्रक्रियाओं में से एक है क्योंकि इसमें अनेकों वैलिडेशन, पॉलिसी चेक, बैकएंड-सिस्टम इंटरैक्शन और क्रॉस-टीमों पर निर्भरता होती है। इन सभी गतिविधियों के लिए एंड-टू-एंड सेवा देकर एजेंटफोर्स ने रिफंड टर्नअराउंड टाईम को 14 दिनों से घटाकर केवल चार घंटों तक ला दिया है, जिससे प्रदर्शित होता है कि एजेंटिक ए.आई किस प्रकार सवालों के जवाब से आगे बढ़कर व्यापक स्तर पर जटिल बिजनेस प्रक्रियाओं का क्रियान्वयन कर सकता है।

एजेंटफोर्स के नए क्रियान्वयन में तीन हाई-इंपैक्ट सेवा प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिससे अनेकों सिस्टम और वर्कफ्लो में ग्राहकों के जटिल निवेदनों के लिए ज्यादा तेज स्पीड, निरंतरता और इंटैलिजेंस संभव हो सकेगी। इनमें सर्विस टीमों के लिए ऑटोमेटेड ईमेल रिजॉल्यूशन, नेम चेंज ऑटोमेशन और नॉलेज एजेंट शामिल हैं।

डॉ. सत्य रामास्वामी, चीफ डिजिटल एवं टेक्नोलॉजी ऑफिसर, एयर इंडिया ने कहा, एजेंटफोर्स के साथ हमारा सफर केवल ए.आई के क्रियान्वयन तक सीमित नहीं है, बल्कि हम एयरलाईन कस्टमर सेवा में संभावनाओं के दायरे को बढ़ा रहे हैं। हम अपनी टीमों का सहयोग करने वाले ए.आई से आगे बढ़कर ऐसे ए.आई की ओर बढ़ रहे हैं, जो स्पष्ट रूप से निर्धारित दिशानिर्देशो के साथ समझ सके, निर्णय ले सके और क्रियान्वयन कर सके। इसका नतीजा दिखाई दे रहा है और रिजॉल्यूशंस में तेजी आ रही है, निरंतरता बढ़ रही है और ग्राहकों को कम मेहनत में बेहतर नतीजे मिल रहे हैं। इन क्षमताओं के विस्तार के साथ हम एक्युरेसी, गर्वनेस और इंसानी निगरानी के साथ ग्राहकों की वास्तविक जरूरतों को पूरा करने के लिए ए.आई का इस्तेमाल करने पर केंद्रित हैं, जिसकी अपेक्षा एक सहानुभूतिपूर्ण ग्लोबल एयरलाईन से की जाती है।

डीएम की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

बलरामपुर। जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जनपद में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, चिन्हित ब्लैक स्पॉट पर सुधारात्मक कार्य, दुर्घटना स्थलों के ऑडिट, निमार्णाधीन सड़क एवं सेतु परियोजनाओं में सुरक्षा व्यवस्था, स्कूल वाहनों की सुरक्षा तथा दुर्घटना में घायलों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने सहित विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु दुर्घटना संभावित स्थलों पर ठोस सुधारात्मक कार्रवाई किया जाए। उन्होंने संबंधित विभागों को चिन्हित ब्लैक स्पॉट पर आवश्यक सुधारात्मक कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

डीएम ने निर्देशित किया कि जनपद में होने वाली सभी गंभीर सड़क दुर्घटनाओं के स्थलों का ऑडिट कराया जाए और दुर्घटना के वास्तविक कारणों का तकनीकी विश्लेषण करते हुए आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। विशेष रूप से ऐसे सभी चिन्हित ब्लैक स्पॉट, जहां सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु हुई है, उनका संबंधित विभागों की संयुक्त टीम से पुनः स्थलीय परीक्षण कराया जाए। परीक्षण के दौरान सड़क की बनावट, मोड़, दृश्यता, संकेतक, प्रकाश व्यवस्था, स्पीड ब्रेकर/रंबल स्ट्रिप, क्रैश बैरियर सहित अन्य आवश्यक सुरक्षा उपायों का परीक्षण करते हुए कमियों को तत्काल दूर किया जाए। जिलाधिकारी ने वीर विनय चौराहे पर यातायात व्यवस्था एवं सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक

सुधारात्मक कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। निमार्णाधीन ओवरब्रिज की समीक्षा करते हुए उन्होंने सेतु निगम को स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्माण कार्य के दौरान ओवरब्रिज के दोनों ओर सुगम एवं सुरक्षित सर्विस रोड की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे आमजन को आवागमन में परेशानी न हो तथा ट्रैफिक जाम की समस्या से राहत मिल सके। निर्माण कार्य के कारण यातायात बाधित होने अथवा दुर्घटना की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए पर्याप्त बैरिकेडिंग, रिफ्लेक्टर, चेतावनी संकेतक एवं रात्रिकालीन सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। डीएम ने फुलवरिया चौराहे पर भी सड़क सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों से कहा कि दुर्घटना संभावित चौराहों एवं मार्गों पर केवल संकेतक लगाकर औपचारिकता पूरी न की जाए, बल्कि दुर्घटनाओं के कारणों का समाधान करने वाली प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। स्कूल वाहनों की सुरक्षा की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी स्कूल बसों में अटेंडेंट की उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराई जाए। बच्चों की सुरक्षा से संबंधित मानकों के अनुपालन में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। संबंधित विभाग नियमित जांच करते हुए स्कूल वाहनों में निर्धारित सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित कराएं। बैठक में दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की तत्काल सहायता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संचालित राहगीर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किए जाने के निर्देश दिए गए।

पावर स्टार पवन सिंह के आरा के सारा गाने ने मचाया धमाल

पटना। भोजपुरी म्यूजिक की दुनिया में जब पावर स्टार पवन सिंह की आवाज गूंजती है, तो माहौल अपने आप बदल जाता है। कुछ ऐसा ही नजारा उनके नए गाने आरा के सारा के रिलीज के बाद देखने को मिल रहा है। जी म्यूजिक भोजपुरी के ऑफिशियल चैनल से रिलीज हुआ यह गाना दर्शकों के बीच तेजी से अपनी जगह बना रहा है। रिलीज के साथ ही गाने के व्यूज ने रफ्तार पकड़ ली है और सोशल मीडिया पर भी इसकी चर्चा तेज हो गई है। गाने को देखकर ऐसा लग रहा है कि पवन सिंह एक बार फिर भोजपुरी म्यूजिक के कई पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने की तैयारी में हैं। आरा के सारा नाम सुनते ही भोजपुरिया रंग, मस्ती और ठेठ अंदाज का एहसास होने लगता है और गाना भी इसी रंग में रंगा नजर आता है। पवन सिंह अपने चिर-परिचित जोशीले अंदाज में दिखाई दे रहे हैं। उनकी आवाज, स्टाइल और जबरदस्त एनर्जी गाने को खास बनाती है।